राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार, 03 फ़रवरी–2022 वर्ष–4,अंक–371 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्र का राज्य सरकारों को पत्र

किशोरों को जल्द से जल्द लगे दूसरी खुराक, इसके लिए रोजाना करें समीक्षा

नई दिल्ली। दुनिया में कोरोना संकट के बीच डब्ल्यूएचओ ने एक चिंता बढ़ाने वाली जानकारी दी है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमिक्रॉन का सब-वैरिएंट इअ.2, 57 देशों में फैल चुका है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि जिस रफ्तार से यह बढ़ रहा है वह आने वाले दिनों में खतरनाक साबित हो सकता है। वहीं इन सब के बीच वैक्सीन निमार्ता कंपनी फाइजर ने बुधवार को अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी एफडीए से 5 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन लगाने की आपात मंजूरी मांगी है। टीकाकरण प्रक्रिया को और तेज करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण मे बुधवार को राज्य सरकारों को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने 15-18 वर्ष आयु वाले किशोर-किशोरियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी खुराक तेजी से लगाने का निर्देश दिया है। वैक्सीनेशन में तेजी लाने के लिए रोजाना समीक्षा करें। कोरोना अब और भी अधिक खतरनाक होता जा रहा है। बीते 24 घंटे में इस खतरनाक वायरस ने 1733 लोगों की जान ले ली जबकि 1.61 लाख लोग संक्रमित हो गए। वहीं सक्रिय मामले अब भी 16(16,21,603) लाख के पार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि 10 सप्ताह पहले

ओमिक्रॉन वैरिएंट आने के बाद से दुनिया में कोरोना के लगभग 9 करोड़ मामले सामने आए हैं जो कि पहले वर्ष 2020 की तुलना में अधिक है। दुनिया में कोरोना संकट के बीच डब्ल्यूएचओ ने एक चिंता बढ़ाने वाली जानकारी दी है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि ओमिक्रॉन का सब-वैरिएंट इअ.2 57 देशों में फैल चुका है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि जिस रफ्तार से यह बढ़ रहा है वह आने वाले दिनों में खतरनाक साबित हो सकता है। वहीं इन सब के बीच वैक्सीन निमार्ता कंपनी फाइजर ने बुधवार को अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी एफडीए से 5 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन लगाने की आपात मंजूरी मांगी है।

संक्षिप्त खबरें

हर शादी को हिंसक और हर पुरुष को बलात्कारी नहीं कह सकते : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र का आज तीसरा दिन है। इस दौरान सदन में मैरिटल रेप का मुद्दा उठा गया। वहीं, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मैरिटल रेप को लेकर कहा कि देश की हर शादी की निंदा करना ठीक नहीं है। ईरानी ने सदन में प्रश्नकाल में कहा कि वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता है और कोई इसका समर्थन नहीं करता है। लेकिन इसकी आड़ में सभी पुरुषों को बलात्कारी कहना ठीक नहीं है। बता दें कि ईरानी सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम के 'वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा' से संबंधित एक सवाल का उत्तर दे रही थी। उन्होंने कहा, 'मैरिटल रेप का मामला अदालत में विचाराधीन है। देश में 30 से ज्यादा हेल्पलाइन हैं, जो महिलाओं की मदद करती हैं।' मंत्री ने कहा कि वरिष्ठ सदस्य जानते हैं कि राज्यसभा में प्रक्रियाओं का नियम 47 वर्तमान में विचाराधीन विषय पर विस्तार की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास राज्य सरकारों के सहयोग से इस देश में महिलाओं की रक्षा करना है। वर्तमान में, पूरे भारत में 30 से अधिक हेल्पलाइन कार्यरत हैं, जिन्होंने 66 लाख से अधिक महिलाओं की सहायता की है। इसके अलावा, देश में 703 'वन स्टॉप सेंटर' काम कर रहे हैं और इनसे पांच लाख से अधिक महिलाओं को मदद मिली है। वहीं, सांसद विश्वम ने कहा कि उनका मतलब यह नहीं था कि हर आदमी एक बलात्कारी है। इसके साथ ही सवाल पूछा कि क्या सरकार इस मुद्दे पर डेटा एकत्र कर सकती है और इसे जल्द से जल्द संसद में जमा कर सकती है। इस पर मंत्री ने कहा कि सदस्य सुझाव दे रहे हैं कि केंद्र राज्य सरकारों के साथ बातचीत करे और उनसे रिकॉर्ड मांगे।

ब्रह्मोस और टैंक भेदी उरन मिसाइल का सफल परीक्षण, अंडमान से दागी गई

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की अंडमान निकोबार कमान ने बुधवार को ब्रह्मोस और टैंक भेदी उरन मिसाइलों का परीक्षण किया। दोनों मिसाइलें अपने लक्ष्य पर पहुंचने में कामयाब रहीं। ब्रह्मोस व उरन मिसाइल अब सेना के इस्तेमाल के लिए तैयार हो गई हैं। इससे पूर्व रविवार को सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।

सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस को अरब सागर में स्वदेशी नौसैनिक युद्धपोत आईएनएस चेन्नई से दागा गया। यह मिसाइल लंबी दूरी के लक्ष्य को निशाना बनाकर नौसेना के विध्वंसक युद्धपोत को ताकतवर व अजेय बनाएगी। हाल ही में भारत ने ओडिशा में बालासोर स्थित एकीकृत प्रक्षेपण स्थल से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के एक नए रूप का भी सफल परीक्षण किया था। इसकी मारक क्षमता लगभग 400 किलोमीटर तक है। ब्रह्मोस मिसाइल 200 किलोग्राम तक वजनी विस्फोटक सामग्री से हमला कर सकती है। यह 4321 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से धावा बोल सकती है।

अखिलेश-जयंत का जवाब

खून से गर्मी निकल गई तो हम सब मर जाएंगे

शामली। उत्तर प्रदेश में प्रथम चरण के मतदान के लिए प्रचार अभियान जोरों पर है। इसी के तहत आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और रालोद के जयंत चौधरी शामली पहुंचे हैं। यहां इन दोनों ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर योगी सरकार पर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ के गर्मी निकाल लेने के बयान पर अखिलेश ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की भाषा ऐसी नहीं हो सकती है। चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। जहां तक गर्मी का सवाल है जिस दिन गर्मी खत्म हो जाएगी हम सब मर जाएंगे। जितने भी लोग हैं अगर उनका खून गर्म नहीं रहेगा तो कोई जिंदा नहीं रहेगा।वहीं जयंत चौधरी ने कहा कि सभी किसान, व्यापारी, मजदूर, गरीब और युवा एकजुट होकर आने वाली 10 तारीख को योगी बाबा को कंबल देकर

गोरखपुर मठ में भेजने का काम करें। वहीं अखिलेश ने बजट पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीब विरोधी बजट को मोदी सरकार अमृत बजट कह रही है। उन्होंने पूछा, अगर ये बजट अमृत बजट है तो पिछले बजट क्या जहरीले बजट थे? कहा कि ये भारतीय जनता पार्टी के लोग सोचते हैं कि हम शब्दों के खिलवाड़ से लोगों को भ्रमित कर सकते हैं। अमृतकाल का बजट अमृत कहना क्या यह सही है, पिछले वाले जहर समान थे क्या। सही मायनों में देखें तो भारतीय जनता पार्टी ने हीरे सस्ते किए, चप्पल जूते सस्ते किए। हीरे सस्ते करने से क्या गरीबों का लाभ होगा? अखिलेश आगे बोले, सच तो ये है कि रोजगार को लेकर और अपनी परेशानियों को लेकर लोगों के जूते-चप्पल घिस गए और एक भी परेशानी का ये लोग निराकरण नहीं कर पाए हैं। पूर्व सीएम ने अपने गठबंधन के बारे में कहा कि भारतीय जनता पार्टी जहां नकारात्मक राजनीति कर रही है, वहीं गठबंधन भाईचारा को लेकर आगे बढ़ेगा और मुझे खुशी है कि शामली में भाईचारा का स्तंभ बनेगा। गठबंधन के तीनों प्रत्याशी यहां से ऐतिहासिक जीत जीतकर जाएंगे। अखिलेश ने कहा कि हम जनता को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि जो समाजवादी पार्टी के गठबंधन ने वादे किए हैं वो वादे पूरे करेंगे। यहां के कर्मचारियों की हमेशा मांग रही कि ओल्ड पेंशन बहाल हो। मैं अपने कर्मचारी भाइयों और कर्मचारी संगठनों से वादा करता हूं कि पुरानी पेंशन बहाल होगी।

यूपी चुनाव: सपा ने फाड़ दिया था दलितों को आरक्षण वाला बिल : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पहली बार बसपा प्रमुख मायावती भी रैली में उतरीं। आगरा में जनसभा को संबोधित करते हुए मायावती ने भाजपा, सपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। मायावती ने कहा कि लोगों को इन तीनों ही दलों को रिजेक्ट कर देना चाहिए। उन्होंने दलितों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सपा ने एक बार दलितों के आरक्षण वाला बिल ही फाड़ दिया था।

बता दें कि यह मामला लगभग 10 साल पुराना है जब लोकसभा में केंद्रीय प्रधानमंत्री कार्यालय मंत्री नारायण सामी प्रमोशन आरक्षण बिल पेश कर रहे थे। इसी समय सपा नेता यशवीर सिंह ने उनके हाथ से बिल की कॉपी ले ली। तभी छीना झपटी शुरू हो गई और बिल की कॉपी फट गई। शोर और हंगामे के चलते स्पीकर को लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ गई

थी। बता दें कि यूपीए सरकार के दौरान यह घटना हुई थी। जब यशवीर सिंह ने बिल की कॉपी छीन ली थी तभी सोनिया गांधी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इतने में अन्य कई नेता भी उनकी ओर बढ़े और छीना झपटी शुरू हो गई। आज मायावती ने उसी घटना को याद दिलाते हुए सपा को आड़े हाथों लिया।

यूपी चुनाव 2022: अमित शाह का हमला, बोले:

सपा सरकार आने पर प्रदेश में होगा गुंडाराज

अलीगढ़। अतरौली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने केएमबी इंटर कालेज में अतरौली विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह के पौत्र संदीप सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर कई हमले किए। उन्होंने कहा कि अगर सपा की सरकार आई तो प्रदेश में जंगलराज कायम हो जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं आप लोगों से निवेदन करने आया हूं। आप लोगों ने 2014 में देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनाई, 2017 में प्रदेश योगी आदित्यनाथ की सरकार बनाई। सपा-बसपा बुआ भतीजा की जातिवाद वाली सरकारों में उत्तर प्रदेश में जंगलराज और अराजकता कायम होने के साथ दिशाहीनता की स्थिति हो गई थी। उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य बन गया था। 2017 से उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार है। केंद्र और प्रदेश की सरकार ने प्रदेश की दिशा और दशा को बदलकर इसे विकास की राह पर ला दिया है, मोदी राज में हर गरीब के घर में शौचालय पहुंचा है। अगर प्रदेश में सपा सरकार होती तो हर गरीब के घर में ना शौचालय पहुंचते और ना बिजली आती ना गैस सिलेंडर पहुंचता। देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में हर आदमी को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कोरोना वैक्सीन का विरोध करते थे, लेकिन आज मजबूर होकर उन्होंने भी अपने बचाव के लिए वैक्सीन लगवाई है। अगर हम अखिलेश यादव की बात में आ जाते तो क्या दूसरी लहर में हम कोरोना जैसी महामारी से बच सकते थे, उन्होंने कहा कि कोरोना काल काल में देश की अर्थव्यवस्था एकदम ठप हो गई, सभी कल कारखाने व्यापार ठप हो गए। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 करोड़ गरीबों के लिए माह में दो बार राशन वितरण कराया। अमित शाह ने कहा कि सपा-बसपा के कार्यकाल में पुलिस भी गुंडों से डरती थी तो जनता का क्या हाल होगा। योगी आदित्यनाथ की सरकार में प्रदेश में या तो गुंडे जेल में है या दूसरे प्रदेश में पलायन कर गए हैं। अगर कोई गुंडा मौजूद है तो वह समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी की सूची में है। अगर आप लोग सपा की सरकार प्रदेश में लाए तो प्रदेश के कल कारखाने और व्यापार बंद हो जाएंगे और फिर गुंडाराज, अपहरण, हत्या, लूट, डकैती जैसे आपराधिक घटनाओं का राज हो जाएगा। सपा-बसपा कांग्रेस कभी धारा 370 को हटाकर कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बना सकते थे क्या.? लेकिन आप लोगों के मत की ताकत से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने और मिनटों में धारा 370 को खत्म करके कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बना दिया गया। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अलीगढ़ की ताला फैक्टरी पर बुआ-भतीजे ने ताला लगा दिया था लेकिन हमने वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट के तहत अलीगढ़ के ताले को शुरू करा दिया है।

ऑटो की ट्रक से भीषण टक्कर, हादसे में तीन की मौत, 10 घायल

महोबा। कानपुर-सागर हाइवे पर कबरई थाना क्षेत्र के छानी मोड़ के पास ट्रक और ऑटो की टक्कर से मासूम समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुधवार को दोपहर करीब 12.45 बजे हाइवे पर सवारी लेकर महोबा जा रहे ऑटो की टक्कर एक ट्रक से हो गई, जिसके बाद चीख पुकार मच गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 10 लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमे कई की हालत गंभीर है। घटना में मरने वालों की पहचान रामसेवक

(50), राज (05) और फूल सिंह के रूप में की गई है। घायलों में संगीता पत्नी राजू उम्र 22 निवासी मदारपुरा, राधिका पुत्री राजू उम्र 2, राजू पुत्र दरबारी घायल, सोम जी उम्र 30 निवासी मौदहा फतेहपुर, मुन्ना पुत्र हरिदास उम्र 28 निवासी पृथ्वीपुरा मध्यप्रदेश, हरीराम पुत्र राम खिलावन उम्र 42 निवासी पाटनपुर हमीरपुर, शमापरवीन उम्र 35 निवासी मौदहा, जितेंद्र सिंह निवासी मुरैना मध्यप्रदेश आदि शामिल हैं।

गोवा : आप प्रत्याशियों की अनूठी कसम, भ्रष्टाचार और दलबदल नहीं करने के भरवाए शपथ पत्र

पणजी। दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव में अपने सभी 40 प्रत्याशियों को बुधवार को अनूठी कसम दिलाई। गोवा के पार्टी प्रत्याशियों से इस बात के शपथ पत्र भरवाए गए हैं कि वे न तो भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे और न ही दलबदल करेंगे। आप के संयोजक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने पणजी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि गोवा की राजनीति की सबसे बड़ी समस्या लगातार दलबदल है। इसलिए हम चाहते हैं कि लोग हमारे प्रत्याशियों को वोट दें, इसके पहले हम इस समस्या से निपटने के

उपाय कर लें। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल के साथ गोवा में आप के सभी 40 प्रत्याशी मौजूद थे। गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों पर 14 फरवरी को मतदान होने जा रहा है। नतीजे पांच चुनावी राज्यों में 10 मार्च को एक साथ होने वाली मतगणना के बाद आएंगे। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के प्रत्याशी इन शपथ पत्रों के जरिए यह वचन दे रहे हैं कि वे विधायक चुने जाने पर अपने कार्यकाल के दौरान किसी भ्रष्ट गतिविधि में शामिल नहीं होंगे और न ही किसी अन्य राजनीतिक दल में दलबदल करेंगे। आप संयोजक केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि ये शपथपत्र इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि यदि किसी आप प्रत्याशी ने इन शर्तों का उल्लंघन किया तो उसके खिलाफ विश्वास भंग करने का कानूनी केस किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्याशी इन शपथ पत्रों की फोटोकॉपी गोवा विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच वितरित करेंगे। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी गोवा में ईमानदार सरकार देने के प्रति वचनबद्ध है।

मथुरा में सीएम योगी ने सपा पर साधा निशाना

कहा-नाम समाजवादी, काम दंगावादी-परिवारवादी

मथुरा। छाता विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जनता से संवाद किया। छोटी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी को निशाने पर रखा। बिना अखिलेश यादव का नाम लिए उन्होंने करारे प्रहार किए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इत्र वाले मित्र ने गरीबों का पैसा हड़प लिया। ये पैसा आरसीसी की मोटी दीवारों में दबा दिया। इत्र वाले मित्र के साथ ही इन्होंने यूरोप की यात्रा की थी। नाम समाजवादी, काम दंगावादी परिवारवादी। चोर की दाढ़ी में तिनका। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि चौधरी लक्ष्मीनरायण ने एक डेयरी स्वीकृत कराई जो किसानों के लिए नए आयाम लेकर आएगी।

छाता में चीनी मील शुरू हुई है। पिछली सरकारों ने जनता के लिए क्या किया। भर्ती के नाम पर पैसे वसूली होते थे। नौकरी निकलने पर चाचा और भतीजा वसूली करते थे। डेढ़ लाख पुलिस की भर्ती हुई है, इतने ही शिक्षक भर्ती किए हैं। पांच लाख से अधिक सरकारी भर्ती हुईं हैं। आलू किसानों को एक लाख मैट्रिक टन आलू पेप्सीको कारखाना

खपत करेगा और किसानों को अच्छा दाम देगा। पहले कारखाने नहीं लगते थे, क्योंकि व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं था। पांच सालों में मथुरा में कोई दंगा नहीं हुआ है। अब दंगा करेगा तो पहले नोटिस पहुंचेगा। योगी ने कहा कि मुजफ्फरनगर में निर्दोष युवाओं की हत्याएं हुईं और उस समय मुख्यमंत्री दंगाइयों का सहयोग करते हैं। आज उत्तर प्रदेश में सड़क, फिल्म सिटी, जेवर का हवाई अड्डा बन रहा है और दूसरी तरफ माफिया के लिए बुलडोजर खड़ा है। सरकार ने तय किया है कि उत्तर प्रदेश के हर नौजवान को स्मार्ट नौजवान बनाएंगे। एक करोड़ नौजवानों को टैबलेट, स्मार्ट फोन सरकार देने का काम कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधान के हत्यारे मेवात से आए थे। मेवाती फिर से आकर मथुरा में उपद्रव कर रहे हैं। दस मार्च के बाद इनका उपचार हो जाएगा। रामवीर सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए जनता को आश्वासन दिया कि सख्त सजा दी जाएगी। लक्ष्मी नारायण के लिए सभा करते हुए कहा कि अबकी बार एक लाख पार...।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है - अज्ञात

संपादकीय

चुनौतियों की कसौटी पर

हर दौर की जरूरत अलग होती है। सालाना बजट को परखने की कसौटी यही होती है कि वह अपने समय की जरूरतों और आने वाली चुनौतियों से किस तरह दो-चार होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2022-23 का जो बजट संसद में पेश किया है, उसकी समीक्षा भी इसी कसौटी पर हो सकती है। महामारी के दौर ने जो परेशानियां खड़ी की हैं, सीमित संसाधनों के जरिये उनसे निपटना किसी भी वित्त मंत्री के लिए टेढ़ी खीर हो सकता था। खासकर इसलिए कि अब यह मामला सिर्फ जन-स्वास्थ्य का नहीं है। महामारी ने सबसे ज्यादा अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान कई सारे उद्योग बंद हुए हैं, उत्पादन कम हुआ है, लोग बेरोजगार हुए हैं, आर्थिक असमानता और गरीबी, दोनों में इजाफा हुआ है। इन हालात में वित्त मंत्री ने एक ऐसा बजट देने की कोशिश की है, जो लोगों को अपने पैरों पर खड़े होने में मदद करे। पिछले कुछ समय से अर्थशास्त्री दो जरूरतों की ओर ध्यान खींच रहे थे। एक तो रोजगार के अवसर बढ़ाने पर, और दूसरी, ऐसे तरीके अपनाने पर, जिनसे लोगों और खासकर मध्यवर्ग की जेब में ज्यादा पैसा जाए और इस पैसे से जब वे बाजार में कुछ खरीदने निकलें, तो मांग बढ़े। वित्त मंत्री ने पहली जरूरत पर ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया। रोजगार का मामला मध्यवर्ग की आमदनी बढ़ने से कहीं बड़ा है। खासकर देश के कुछ हिस्सों में जिस तरह से रोजगार को लेकर युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है, उसे देखते हुए इसे ही प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। इसके लिए बजट में सबसे ज्यादा जिसकी बात की गई है, वह है पूंजीगत खर्च। सरकार अगर बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का निर्माण करती है, तो इनमें अकुशल से कुशल तक कई श्रेणियों में लोगों को रोजगार मिलने के अवसर खुलेंगे। देश में सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर लघु और मध्यम उद्योगों में पैदा होते हैं। महामारी के दौरान ये उद्योग ही सबसे ज्यादा बंद हुए। बजट में ऐसे उद्योगों के लिए आपातकालिक कर्ज की व्यवस्था को भी बढ़ाया गया है, जो उन्हें संकट से उबार सकती है। मुमकिन है, आयकर दरों में कोई बदलाव न होने की वजह से मध्यवर्ग इस बजट से कुछ निराश हो, लेकिन संभव है कि कर व्यवस्था में स्थायित्व के लिए शायद सरकार को यह जरूरी लगा हो। एक आशंका यह थी कि देश के कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव के चलते बजट पर चुनावी असर दिख सकता है। वित्त मंत्री बजट को इस प्रभाव से मुक्त रखने में सफल रहीं और उन्होंने लोक-लुभावन घोषणाओं का ढेर नहीं लगाया। इस बजट की सबसे खास बात यह है कि इसमें तात्कालिकता के बजाय दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया गया है। यही वजह है कि इसमें कई जगह हरित अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, प्राकृतिक खेती जैसे शब्द सुनाई देते हैं। बजट 5जी तकनीक के जल्द आगमन को लेकर भी आश्वस्त करता है और पूरी तरह डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने को लेकर भी। इस बजट का सबसे चिंताजनक पहलू है महंगाई की आशंका। चालू वित्त-वर्ष में वित्तीय घाटा 6.9 फीसदी तक पहुंच गया है, अगले वित्त-वर्ष के लिए 6.4 प्रतिशत का अनुमान है। अगले पूरे साल में सरकार को एक तो यह प्रयास करना होगा कि यह घाटा इस अनुमान से ज्यादा न बढ़े और दूसरे मुद्रास्फीति के रूप में इस घाटे की मार समाज के गरीब तबके पर न पड़े।

चुनौती बनती जा रही बढ़ती आर्थिक असमानता

- योगेश कुमार गोयल

पिछले दिनों वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित विश्व आर्थिक मंच के दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के दौरान पेश गैर सरकारी संगठन 'ऑक्सफैम' की रिपोर्ट 'इनइक्वलिटी किल्स' के अनुसार कोरोना महामारी के दौर में अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान भारत के अरबपतियों की कुल सम्पत्ति बढ़कर दोगुने से अधिक हो गई और इस दौरान भारत में अरबपतियों की संख्या भी 39 फीसदी बढ़कर 142 हो गई है। देश के दस सर्वाधिक अमीर लोगों के पास इतनी सम्पत्ति है, जिससे पूरे ढाई दशकों तक देश के हर बच्चे को स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दी जा सकती है। आर्थिक असमानता पर आई इस रिपोर्ट के मुताबिक 142 भारतीय अरबपतियों के पास कुल 719 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति है और देश के सबसे अमीर 98 लोगों की कुल सम्पत्ति भारत के 55.5 करोड़ सबसे गरीब लोगों की कुल सम्पत्ति के बराबर है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महामारी के दौरान सबसे धनी 10 फीसदी लोगों ने राष्ट्रीय सम्पत्ति का 45 फीसदी हिस्सा हासिल किया, जबकि निचले स्तर की 50 फीसदी आबादी के हिस्से मात्र छह फीसदी राशि ही आई। रिपोर्ट में सरकार से राजस्व सृजन के प्राथमिक स्रोतों पर पुनर्विचार करने तथा कर प्रणाली के अधिक प्रगतिशील तरीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया गया है कि इन अरबपतियों पर वार्षिक सम्पत्ति कर लगाने से प्रतिवर्ष 78.3 अरब अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जिससे सरकारी स्वास्थ्य बजट में 271 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। कोरोना महामारी के इस दौर में एक ओर जहां करोड़ों लोगों के काम-धंधे चौपट हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां छूट गई, अनेक लोगों के कारोबार घाटे में चले गए, वहीं कुछ ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्हें इस महामारी ने पहले से कई गुना ज्यादा मालामाल कर दिया है। आंकड़े देखें तो भारत में मार्च 2020 से नवम्बर 2021 के बीच देश के 84 फीसदी परिवारों की कमाई में कमी आई और 4.6 करोड़ लोग तो अत्यंत गरीबी में चले गए। इस बीच जितने लोग पूरी दुनिया में गरीबी के दलदल में फंसे, भारत में यह संख्या उसकी आधी है। एक ओर जहां गरीबों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है, वहीं भारत में अब इतने अरबपति हो गए हैं, जितने फ्रांस, स्वीडन तथा स्विट्जरलैंड को मिलाकर भी नहीं हैं। अति धनाढ्य वर्ग तथा अत्यंत गरीबी में फंसे लोगों के बीच की चौड़ी होती खाई अन्य कमजोर वर्गों को भी प्रभावित कर रही है। आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है और विश्व बैंक पहले ही चेतावनी दे चुका है कि दस करोड़ से ज्यादा लोग चरम गरीबी में धकेले जा सकते हैं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पिछले साल भी स्पष्ट शब्दों में कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो भुखमरी नहीं फैलती। विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता काफी चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां भी पैदा होती हैं। करीब दो साल पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली सत्तर फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है। आज विश्व आर्थिक पत्रिका 'फोर्ब्स' की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तो तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में भी सुधार हो। बहरहाल, ऑक्सफैम की रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए। दरअसल बड़े औद्योगिक घरानों पर टैक्स लगाकर सार्वजनिक सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि देश के शीर्ष धनकुबेरों पर महज डेढ़ फीसदी सम्पत्ति कर लगाकर ही देश के कई करोड़ लोगों की गरीबी दूर की जा सकती है लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह कार्य इतना सहज नहीं है। दरअसल यह जगजाहिर है कि बहुत से राजनीतिक फैसलों पर भी अब इन धन कुबेरों का ही नियंत्रण होता है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यकाल के कारण वहां के समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। इसके अलावा बौद्ध धर्मगुरू दलाईलामा तथा ईसाई धर्मगुरू पोप फ्रांसिस सहित कुछ अन्य प्रमुख हस्तियां भी बढ़ती आर्थिक असमानता पर निशाना साधते हुए कह चुकी हैं कि अत्यधिक धन पिपासा समाज में एक नई प्रकार की निरंकुशता को जन्म देती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र जैसी कुछ वैश्विक संस्थाओं के अलावा कुछ देशों की सरकारें हालांकि गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए वर्षों से प्रयासरत हैं लेकिन बेहतर परिणाम सामने आते नहीं दिख रहे। 1980 के दशक की शुरूआत में एक फीसदी धनाढ्यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। आर्थिक विषमता आर्थिक विकास दर की राह में बहुत बड़ी बाधा बनती है। दरअसल जब आम आदमी की जेब में पैसा होगा, उसकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, देश की आर्थिक विकास दर भी तभी बढ़ेगी। अगर ग्रामीण आबादी के अलावा निम्न वर्ग की आय नहीं बढ़ती तो मांग में तो कमी आएगी ही और इससे विकास दर भी प्रभावित होगी। हालांकि बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करना सरकार के लिए बहुत बड़ी आर्थिक-सामाजिक चुनौती है लेकिन अगर सरकारों में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो इस असमानता को कम किया जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अर्थव्यवस्था को गतिशीलता देने वाला बजट

जयंतीलाल भंडारी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया वर्ष 2022-23 का बजट कोरोना की चुनौतियों से उभरती भारतीय अर्थव्यवस्था को गतिशील करने और विभिन्न वर्गों की मुश्किलों को कम करने के लिए एक अभूतपूर्व बजट है। आगामी बजट के तहत कृषि और किसान हितों, बुनियादी ढांचे की मजबूती, उद्योग-कारोबार की गतिशीलता, निर्यात वृद्धि, शेयर बाजार को प्रोत्साहन, रोजगार के नए अवसर, महंगाई पर नियंत्रण, नई मांग का निर्माण, टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक न्याय के लिए भी प्रभावी प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं। वित्तमंत्री सीतारमण ने अर्थव्यवस्था के लिए प्रोत्साहन की बूस्टर डोज देते समय राजकोषीय घाटे (फिस्कल डेफिसिट) को जीडीपी के 6.4 फीसदी तक विस्तारित करने में कोई संकोच नहीं किया है। इस बजट से अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी जा सकेगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस वर्ष 2022-23 का बजट बनाते हुए वित्तमंत्री के समक्ष कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, महंगाई, आय की असमानता, करीब 8 फीसदी की बेरोजगारी दर, सरकारी विभागों की कमजोर व्यय क्षमता ,निजीकरण पर कम सफलताएं जैसी विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय मुश्किलें मुंह बाए खड़ी थीं। निःसंदेह नए बजट में खेती और किसानों के हितों को उच्च प्राथमिकता दी गई है। कृषि की विकास दर बढ़ाने और छोटे किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि सुधारों को व्यापक प्रोत्साहन दिया गया है। नए बजट में प्राकृतिक खेती और मांग आधारित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष घोषणा की गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाने वाली सरकारी खरीद के लिए 2.37 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों की गैर-कृषि आय बढ़ाने के लिए पशुधन विकास, डेरी, पोल्ट्री, मत्स्य पालन और बागवानी जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहन के साथ किसानों को आधुनिक तकनीक मुहैया करने के लिए नयी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कृषि क्षेत्र में कुशल मानव संसाधनों की जरूरत के मद्देनजर कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया जाना सुनिश्चित किया गया है एवं कृषि अनुसंधान पर आवंटन बढ़ाया गया है। ऊंचे दाम वाली विविध फसलों के उत्पादन को विशेष प्रोत्साहन और छोटे किसानों की आमदनी में वृद्धि जैसे कदमों की घोषणा भी नए बजट में की गई है। आगामी बजट में वित्तमंत्री ने बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों, खपत और नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई है वर्ष 2022-23 के लिए 7.5 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का प्रावधान है। वर्ष 2022-23 में यह जीडीपी का 2.9 फीसदी है। वर्ष 2022-23 में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीएम आवास योजना के तहत 80 लाख घरों के निर्माण को पूरा करने के लिए 48 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। चूंकि सरकार चाहती है कि आने वाले वर्षों में दुनियाभर में भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बनकर उभरे, ऐसे में इस परिप्रेक्ष्य में वित्तमंत्री ने नए बजट में बड़े ऐलान किए हैं। नए बजट में वित्तमंत्री रिकॉर्ड निर्यात का लक्ष्य रखते हुए विभिन्न कच्चे मालों पर आयात शुल्क घटाते हुए दिखाई दी हैं। ये आयात शुल्क खासतौर से ऐसी चीजों के कच्चे माल पर घटाए गए हैं, जिनका पीएलआई क्षेत्र के उद्योगों में उपयोग होता है। नए बजट में वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देने के कदम भी दिखाई दे रहे हैं। नए बजट के तहत वित्तमंत्री ने देश में खुदरा कारोबार और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने और कारोबार करने के लिए आवश्यक लाइसेंस की संख्या घटाकर उनका अनुपालन बोझ हल्का करने के तरीके भी सुनिश्चित किए हैं। स्टार्टअप के लिए टैक्स छूट 31 मार्च, 2023 तक के लिए बढ़ाई गई है। साथ ही एमएसएमई के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का विशेष राहत पैकेज दिया गया है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) को अधिक उपयोगी बनाने के लिए नए बजट में विशेष घोषणा की गई है। आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) को मार्च, 2023 तक बढ़ाया गया है। गारंटी कवर को 5 लाख करोड़ रुपये तक विस्तारित किया गया है। नए बजट में आतिथ्य, पर्यटन, आराम और अन्य संपर्क वाली सेवाओं को समर्थन दिया गया है। नए बजट में नई शिक्षा प्रणाली और कौशल विकास, डिजिटल विकास, पीएमई-विद्या का विस्तार किया गया है। शासकीय स्कूलों की गुणवत्ता, सार्वजनिक परिवहन जैसे विभिन्न आवश्यक क्षेत्रों के साथ-साथ रोजगार वृद्धि के लिए टेक्सटाइल सेक्टर को भारी प्रोत्साहन दिए गए हैं। नए बजट में शोध एवं नवाचार, निर्यात डेवलपमेंट फंड तथा फार्मा उद्योग आदि के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे व टीकाकरण के लिए अधिक निवेश किया गया है। नए बजट में डिजिटल करंसी लाए जाने का ऐलान किया गया है। नए बजट में सामाजिक क्षेत्र पर आवंटन में प्राथमिकता दी गई है। सामाजिक क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकूद, संस्कृति के साथ-साथ गरीबों और अन्य वर्गों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं आती हैं। महिला और बाल विकास मंत्रालय की मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, आंगनवाड़ी और पोषण-2 को नया रूप दिया गया है। नए बजट की एक बड़ी कमी छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाने हेतु सरकार के द्वारा राहत के प्रावधान न होना है। टैक्सपेयर्स को उम्मीद थी कि सरकार टैक्स में छूट की सीमा को बढ़ाकर 5 लाख कर सकती है। देश के शेयर बाजार को आगामी बजट से तेजी से बढ़ने के प्रोत्साहन दिए गए हैं। यही कारण है कि जैसे-जैसे वित्तमंत्री बजट प्रस्तुत करती गईं वैसे-वैसे शेयर बाजार ऊंचाई पर पहुंचता गया। लेकिन वित्तवर्ष 2022-23 के बजट के समक्ष कई चुनौतियां भी उभरकर दिखाई दे रही हैं। नया बजट बनाते समय वृद्धि अनुमान कच्चे तेल की 70-75 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर आधारित हैं। जबकि इस समय कच्चे तेल की कीमतें करीब 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं। हम उम्मीद करें कि नए बजट से एक ओर आम आदमी की क्रय शक्ति बढ़ेगी, नई मांग का निर्माण होगा, वहीं दूसरी ओर आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत तक विकास दर करीब 9 फीसदी के स्तर पर पहुंचते हुए दुनिया में अव्वल दिखाई दे सकेगी। हम

आज के कार्टुन

कश्मीर

आचार्य रजनीश ओशो/ भारत में मैं कई राजनेताओं को जानता हूं किन्तु उनमें दिमाग नहीं पाया। मेरा एक मित्र भारतीय सेना का कमांडर इन चीफ था। नाम था जनरल चौधरी। जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया तो इस आदमी ने प्रधानमंत्री से हमले का मुकाबला करने की अनुमति मांगी। चौधरी का सुझाव था कि हमें पाकिस्तान पर चार-पांच मोचरे से आक्रमण करना चाहिए। वे समझ नहीं पाएंगे अपनी सेना कहां भेजें? जनरल चौधरी ने मुझे बताया कि बाद में सार्वजनिक रूप से तो वे ससम्मान सेवानिवृत्त हुए लेकिन सचाई यह है कि उन्हें निकाला गया था। कहा गया था-'या तो इस्तीफा दें या हम आपको बाहर निकाल देंगे।' अपराध क्या था उनका? अपराध था कि उन्होंने 6 बजे के स्थान पर सुबह 5 बजे पाकिस्तान पर हमला कर दिया, क्योंकि उनकी नजर में यही सही समय था, 6 बजे तो सूर्योदय हो जाएगा, लोग जाग जाएंगे। देखते ही देखते भारतीय सेनाएं पाकिस्तान से सबसे बड़े शहर लाहौर से सिर्फ 15 मील दूर रह गई। तभी उन्होंने रेडियो पर सुना-'जनरल चौधरी लाहौर में प्रवेश कर रहे हैं।' यह स्थिति राजनेताओं के लिए असहनीय थी। उन्होंने लाहौर से सिर्फ 15 मील दूर उन्हें रोक दिया। जहां तक मैं समझता हूं, यह मूर्खता की पराकाष्ठा थी। उस दिन लाहौर जीत लिया जाता, कश्मीर की समस्या और भारत का सरदर्द हमेशा के लिए हल हो गया होता। जनरल चौधरी ने प्रधानमंत्री से साफ कहा-'सैन्य रणनीतियों को मैं समझता हूं, आप नहीं। आप छह बजे की बात करते हैं पर उस समय भी आपका ऑर्डर कहां था? पाकिस्तान ने पहले ही कश्मीर के सबसे सुंदर हिस्से पर कब्जा कर लिया था-और आप पूरी रात चर्चा ही करते रहे। यह चर्चा का समय नहीं था- युद्ध के मैदान पर फैसला किया जाना चाहिए था। अगर आपने मुझे लाहौर में जाने की अनुमति दी होती तो हम सौदेबाजी की स्थिति में होंते। अब हम सौदेबाजी की स्थिति में नहीं हैं। आपने मुझे वापस बुला लिया और मुझे वापस आना पड़ा।' मैंने जनरल चौधरी से कहा था-'यह एक साधारण सी बात थी कि आपको सौदेबाजी की स्थिति में होना चाहिए था। यदि आपने लाहौर ले लिया होता तो वे कश्मीर छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते क्योंकि वे लाहौर खोना बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। उसके बाद अगर कोई संघर्ष विराम होता भी तो सौदेबाजी करते समय लाहौर हमारे पास होता। अब सौदेबाजी के लिए भारत के पास क्या है? पाकिस्तान को क्या परेशानी?''लेकिन राजनेताओं में दिमाग होता ही कहां है?'

सू-दोकू नवताल -2036

8		6	3		5		2	
		2	1			5		8
1				8	6			
	7	8				9		4
3								6
6		9				2	7	
			5	1				9
7		5			8	6		
	8		4		2	7		5

सू-दोकू -2035 का हल

4	7	8	2	1	6	9	5	3
5	3	1	4	7	9	8	6	2
9	6	2	5	8	3	1	4	7
7	4	9	8	3	5	6	2	1
6	1	5	7	2	4	3	9	8
2	8	3	9	6	1	4	7	5
1	9	7	6	5	8	2	3	4
3	5	6	1	4	2	7	8	9
8	2	4	3	9	7	5	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2036

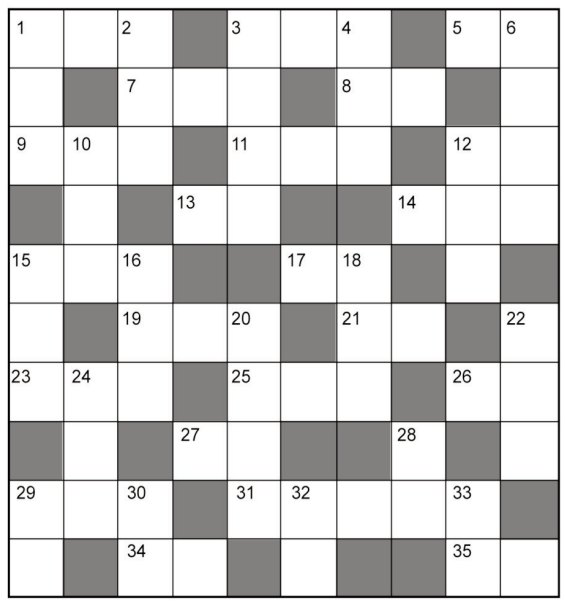

बायें से दायें:-

1. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-3
3. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-3
5. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-2
7. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-3
8. आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
9. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-3
11. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-3
12. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-2
13. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-2
14. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-3
15. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-3
17. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-2
19. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-3
21. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-2
23. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-3
25. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-3
26. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-2
27. फिल्म 'डीमगर्ल' की नायिका थी-2
29. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-3
31. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-2,3
34. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-2
35. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-3
2. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
3. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-4
4. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
6. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-4
10. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-3
12. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-3
15. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-3
16. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-3
18. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-3
20. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-4
22. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-3
24. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
28. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-2
30. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-2
32. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-2
33. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2035

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र
	र्ज		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	रा	हा		खे		की		बु	
ल		ग	ज	ल		रा	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गॅ	वा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
रा			ज	मी	न		ला	ड	ला

सियाम ने कहा, सरकार के बजट से विकास को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार पेश किए गए केंद्रीय बजट का ऑटो कंपे नियों ने स्वागत किया है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम)के प्रेसिडेंट केनिची आयुकावा ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि सियाम नीति स्थिरता और समावेशिता को बनाए रखते हुए विकास लीवर के रूप में निवेश का उपयोग करते हुए दीर्घकालिक ताकत के निर्माण पर केंद्रित विकास-उन्मुख बजट का स्वागत करता है। 35 फीसदी बढ़े हुए केपेक्स परिव्यय, 25,000 किलोमीटर सड़क निर्माण, 100 कार्गो टर्मिनल, परियोजना गतिशक्ति, 5जी नेटवर्क, ऑप्टिक फाइबर केबल बिछाने जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और हालिया पीएलआई योजनाएं प्रमुख सकारात्मक हैं। बायोमास का लाभ उठाने और पर्यावरण और आर्थिक लाभ दोनों के लिए इथेनॉल सम्मिश्रण का समर्थन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की शक्ति को अनलॉक कर सकता है। उन्होंने आगे कहा` कि स्टील की कीमतों में कमी के उपायों से पूरे विनिर्माण क्षेत्र को मदद मिलेगी। बुनियादी ढांचे और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों को चार्ज करने और स्वच्छ ऊर्जा, हरित गतिशीलता और अर्धचालकों के लिए अनुसंधान एवं विकास में सरकारी सहायता से ऑटो क्षेत्र को मदद मिलेगी। हम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर संदेश का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि सभी विभागों द्वारा इसे भावना से देखा जाएगा।

पीएनबी के एमडी और सीईओ बने गोयल

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पीएनबी में अतुल कुमार गोयल ने प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पदभार संभाला है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि गोयल ने एक फरवरी 2022 से बैंक के एमडी और सीईओ का पद संभाल लिया है। इससे पहले एक जनवरी 2022 को गोयल को पीएनबी में विशेष कार्याधिकारी बनाया गया था। इससे पहले वह यूको बैंक में प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे।

जायडस कैडिला ने सरकार को कोविड रोधी टीके की आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली:

दवा निर्माता कंपनी जायडस कैडिला ने केंद्र सरकार को अपने कोविड-19 रोधी टीके जायकोव-डी की आपूर्ति शुरू कर दी है। जायडस कैडिला ने बुधवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने सरकार के आदेश के अनुसार आपूर्ति शुरू कर दी है। यह कोविड-19 के खिलाफ एक 'प्लास्मिड डीएनए वैक्सीन' है। इसके अलावा समूह अपने कोविड रोधी टीके को निजी बाजार में बेचने की भी योजना बना रहा है। जायकोव-डी की तीन खुराक लगाई जाती है। कंपनी ने कहा, ''टीके की कीमत 265 रुपए प्रति खुराक होगी और खरीदार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर 93 रुपये प्रति खुराक की पेशकश की जाएगी।''

टोयोटा कंपनी चांद पर उतारने जा रही अपनी कार

-जापान स्पेस एजेंसी के साथ मिलकर करेगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कार निर्माता कंपनी टोयोटा अब चांद पर अपनी कार उतारने जा रही है। जापान की यह पॉपुलर कंपनी जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) के साथ मिलकर कार लांच करने जा रही है। कंपनी का मकसद इस दशक के अंत तक लोगों को चांद तक और 2040 तक मंगल ग्रह तक पहुंचाने का है। टोयोटा ने टोयोटा लैंड क्रूजर की तर्ज पर इस व्हीकल को लूनर क्रूजर नाम दिया है। कंपनी इसका डिजाइन जेएएक्सए के साथ मिलकर तैयार कर रही है। इस लूनर क्रूजर को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा, जो न केवल लोगों को चंद्रमा और मंगल पर ले जाने में सक्षम होगा, बल्कि वहां रहने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित आश्रय भी प्रदान करेगा।टोयोटा मोटर कार्पोरेशन में लूनर क्रूजर परियोजना के प्रमुख ने कहा कि वास्तव में यह व्हीकल बाहरी अंतरिक्ष में रहने योग्य वातावरण प्रदान कर सकता है।

उन्होंने कहा, ÷हम अंतरिक्ष को हमारे सदी में एक बार होने वाले परिवर्तन के लिए एक क्षेत्र के रूप में देखते हैं। अंतरिक्ष में जाकर, हम दूरसंचार और अन्य तकनीक विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं जो मानव जीवन के लिए मूल्यवान साबित होंगी। इस प्रोजेक्ट के तहत मानव मिशन के लिए प्रेशराइज्ड लूनर रोवर (वाहन) बनाया जाएगा, जो फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल (एफसीईवी) तकनीक पर आधारित होगा। यह वाहन चांद की सतह पर खोज-रिसर्च का काम करेगा। जेएएक्सए और टोयोटा ने मानव लूनर रोवर बनाने के लिए जून 2019 में समझौते पर दस्तखत किए थे, जिसके तहत इस वाहन को इस दशक के अंत तक लॉन्च करने की योजना है। पिछले कुछ साल से चांद को लेकर जापानियों का आकर्षण बढ़ता जा रहा है।

भारत बन सकता है पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था: नागेश्वरन

नई दिल्ली।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने उम्मीद जताई कि यदि 8 से 9 प्रतिशत की सतत वृद्धि जारी रहती है तो भारत वित्त वर्ष 2025-26 तक या इसके अगले वित्त वर्ष में पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। बजट पेश करने के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मीडिया से बातचीत के दौरान नागेश्वरन ने कहा कि डॉलर के लिहाज से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पहले ही तीन हजार अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि यदि हम आठ से नौ फीसदी वास्तविक जीडीपी को कायम रख पाते हैं तो यह डॉलर के आधार पर आठ फीसदी जीडीपी वृद्धि होगी।

बैटरी की अदला-बदली नीति सरकार की भागीदारी बिना संभव नहीं: विशेषज्ञ

वाशिंगटन ।

भारत की प्रस्तावित बैटरी अदला-बदली नीति दिलचस्प है लेकिन सरकार के समर्थन के बिना इसे सफल कर पाना संभावना नहीं है क्योंकि प्रमुख कार कंपनियां अपनी बैटरी संबंधी प्रौद्योगिकी को साझा नहीं करती हैं। ऑटोमोटिव उद्योग के एक विशेषज्ञ ने यह बात कही है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े कदम में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 39.45 लाख करोड़ रुपए के बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने बजट पेश करने के दौरान कहा कि सरकार चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए जगह की कमी को देखते हुए देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बैटरी की अदला-बदला नीति लाएगी। नई नीति पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑटोमोटिव उद्योग के विशेषज्ञ और कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड लेबर में श्रम अध्ययन के निदेशक आर्थर व्हीटन का कहना है कि बैटरी की अदला-बदला नीति का विचार दिलचस्प है, लेकिन सरकार की बड़ी भागीदारी के बिना यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रमुख कार कंपनियां बैटरी से जुड़ी अपनी तकनीक को साझा नहीं करती हैं और विनिमेय बैटरियों का मतलब होगा कि देश भर में बहुत सारी निरर्थक बैटरी प्रभावी होंगी। इसी को लेकर महिंद्रा एंड महिंद्रा के कार्यकारी निदेशक राजेश जेजुरिकर ने कहा कि केंद्रीय बजट 2022-23 में वित्त मंत्री द्वारा स्थायी गतिशीलता की शुरुआत करने के लिए तैयार की गई रुपरेखा भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाने को बढ़ावा देगा।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी तेजी जारी रही। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों के शेयरों में भारी खरीददारी होने से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के अंत में 695.76 अंक करीब 1.18 फीसदी बढ़कर 59,558.33 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी 203.15 अंक तकरीबन 1.16 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,780.00 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा पांच फीसदी तक ऊपर आये हैं, उसके साथ ही अलावा बजाज फिनसर्व, एचसीएल, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में भी बढ़त आयी है। वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर नुकसान में रहे। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 21 के शेयर लाभ में रहे जबकि नौ गिरे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार साल 2022-23 के लिए मंगलवार को पेश बजट में ढांचागत विकास के लिए आवंटन बढ़ाने से आर्थिक तेजी को बल मिला है। दूसरी ओर देश की दूसरी सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी ने बुधवार को अपने तीसरी तिमाही के परिणा घोषित किये। इसके मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में एचडीएफसी का लाभ सालाना आधार पर 11.4 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ ही 3,260.7 करोड़ रुपये रहा है। देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने बताया है कि जनवरी 2022 में उसकी कुल बिक्री में सालाना आधार पर 27 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी है।

कर कटौती सीमा बढ़ाने से राज्य कर्मचारियों को बढ़ा हुआ सामाजिक सुरक्षा कवर मिलेगा

बिजनेस डेस्क:

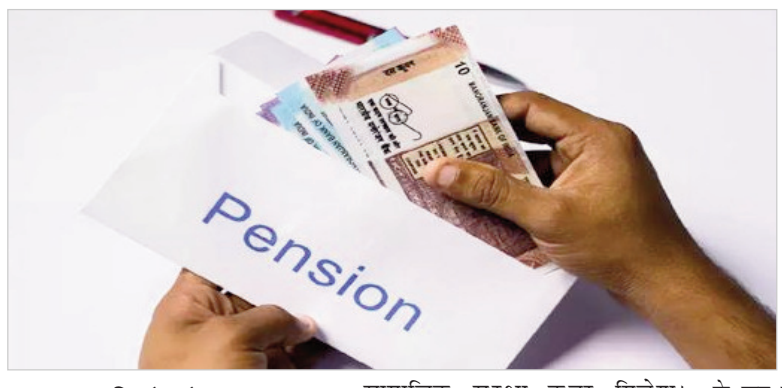

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन सुप्रतिम बंद्योपाध्याय ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए कर कटौती की सीमा को 14 प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रस्ताव से उन्हें एक बढ़ा हुआ सामाजिक सुरक्षा कवर मिलेगा। दरअसल, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए कर कटौती की सीमा 14 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इसी के साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान माना जाएगा। बंद्योपाध्याय ने कहा, ''राज्य सरकार के कर्मचारियों को केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बराबर लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण घोषणा है। इससे राज्य सरकार के कर्मचारियों को एक बढ़ा हुआ सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।'' केंद्र सरकार का वर्तमान में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के वेतन में 14 प्रतिशत का योगदान है। इसे एक कर्मचारी की आय में कर कटौती के रूप में अनुमति दी जाती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में 2022-23 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए राज्य सरकार के कर्मचारियों के एनपीएस खाते में भी नियोक्ता के योगदान में कर कटौती की सीमा को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा।

एयर इंडिया यात्रियों के लिए रतन टाटा का 'स्पेशल मैसेज'

बिजनेस डेस्क:

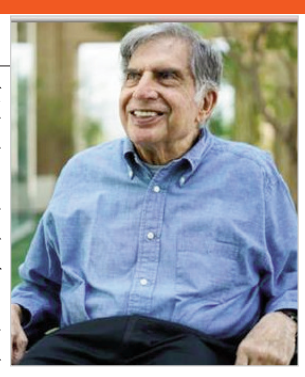

विमानन कंपनी एयर इंडिया के टाटा ग्रुप का हिस्सा बनने की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर 27 जनवरी 2022 को पूरी हो गई। अब एयर इंडिया पूरी तरह से टाटा समूह की है। टाटा सन्स के चेयरमैन एमिरेट्स और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन रतन टाटा की ओर से अब एयर इंडिया यांत्रियों के लिए एक वेलकम मैसेज जारी हुआ है। यह वेलकम मैसेज 18 सेकेंड की एक ऑडियो क्लिप है, जिसमें रतन टाटा की आवाज है। मैसेज में रतन टाटा ने एयर इंडिया के यात्रियों का स्वागत किया है। यह वीडियो एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शेयर किया है।

और क्या कहा मैसेज में

अपने मैसेज में रतन टाटा ने यह भी कहा है कि एयर इंडिया को यात्रियों की सुविधा और सेवा के मामले में पसंदीदा एयरलाइन बनाने के लिए टाटा समूह, एयर इंडिया के कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्साहित है। बता दें कि टाटा ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी टाटा सन्स की इकाई **Talace Pvt Ltd** अब एयर इंडिया का संचालन कर रही है।

सरकार का सब्सिडी खर्च घटा, 2022-23 में 3.17 लाख करोड़ सब्सिडी

मुंबई । चालू वित्त वर्ष में खाद्य, उर्वरक और पेट्रोलियम पर सरकार की सब्सिडी में 39 प्रतिशत कम होकर 4,33,108 करोड़ रुपए रह सकती है। बजट दस्तावेजों में यह अनुमान लगाया गया है। अगले वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सब्सिडी खर्च 27 प्रतिशत घटकर 3,17,866 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।वित्त वर्ष 2021-22 के अपने संशोधित बजट अनुमान में सरकार ने 7,07,707 करोड़ रुपए के वास्तविक बजट अनुमान के मुकाबले कुल सब्सिडी खर्च 4,33,108 करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया था। इसमें से चालू वित्त वर्ष में खाद्य सब्सिडी 2,86,469 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। इस अवधि में पेट्रोलियम सब्सिडी 38,455 करोड़ रुपए से घटकर 6,517 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्तवर्ष के दौरान उर्वरक सब्सिडी बढ़कर 1,40,122 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष में 1,27,922 करोड़ रुपए थी। सरकार ने कहा कि अगले 2022-23 के वित्त वर्ष के लिए कुल सब्सिडी चालू वित्त वर्ष के 4,33,108 करोड़ रुपए से घटकर 3,17,866 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। इसमें से उर्वरक सब्सिडी 25 प्रतिशत घटकर वर्ष 2022-23 के दौरान 1,05,222 करोड़ रुपए खाद्य सब्सिडी 28 प्रतिशत घटकर 2,06,831 रुपए रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान पेट्रोलियम सब्सिडी 11 प्रतिशत घटकर 5,813 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

भारत चीन से लगी सीमा पर स्थित गांवों में बुनियादी ढांचा मजबूत करेगा

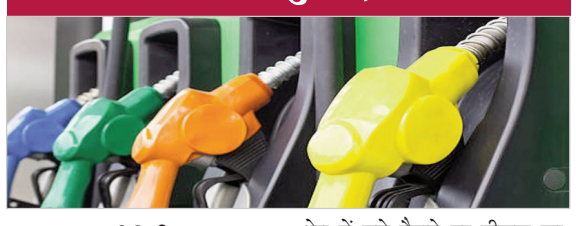

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन से लगी सीमा पर गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना की घोषणा की। यह कदम पूर्वी लद्दाख में सीमा पर जारी गतिरोध और चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब कई क्षेत्रों में गांव बसाने को लेकर सुरक्षा प्रतिष्ठानों में व्याप्त चिंताओं की पृष्ठभूमि में उठाया गया है। सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान कहा कि सीमावर्ती गांव विरल आबादी, सीमित संपर्क और बुनियादी ढांचे के अभाव में अकसर विकास के लाभ से वंचित रह जाते हैं।

उत्तरी सीमा पर ऐसे गांवों को नए वाइब्रेंट गांव कार्यक्रम के तहत कवर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों में गांव के बुनियादी ढांचे का निर्माण, आवास, पर्यटन केंद्र, सड़क संपर्क, विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा का प्रावधान, दूरदर्शन और शैक्षिक चैनलों की सीधे घर-घर तक पहुंच और आजीविका सृजन के लिए समर्थन देना शामिल होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि इन गतिविधियों के लिए अतिरिक्त धन मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा योजनाओं को एक साथ लाया जाएगा। हम उनके परिणामों को परिभाषित करेंगे और निरंतर उनकी निगरानी करेंगे।

मिश्रण के बिना पेट्रोल-डीजल पर लगेगा अतिरिक्त शुल्क, महंगा होगा

नई दिल्ली ।

एथनॉल या बायोडीजल के मिश्रण के बगैर बिकने वाले पेट्रोलियम उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने के बजट प्रस्ताव से देश के अधिकांश हिस्सों में डीजल के दाम एक अक्टूबर, 2022 से दो रुपए प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं जबकि पूर्वोत्तर जैसे कुछ क्षेत्रों में भी पेट्रोल की कीमतें बढ़ सकती हैं। गन्ने या अन्य खाद्यान्न से निकाले गए एथनॉल को 10 प्रतिशत के अनुपात में ही पेट्रोल में मिलाया जाता है। तेल के आयात पर निर्भरता को कम करने और किसानों को आय का एक अतिरिक्त स्रोत मुहैया कराने के लिए पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की अनुमति दी गई है। देश के करीब 75-80 फीसदी हिस्से में एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल की आपूर्ति की जाती है जबकि अन्य हिस्सों में लॉजिस्टिक समस्याओं के चलते इसकी आपूर्ति प्रभावित है। दूसरी तरफ डीजल में मिश्रण के लिए गैर-खाद्य तिलहनों से निकाले गए बायोडीजल का इस्तेमाल किया जाता है। देश में कृषि एवं परिवहन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर डीजल का ही इस्तेमाल होता है। इस लिहाज से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट 2022-23 में बिना मिश्रण वाले ईंधनों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने का कदम पेट्रोल एवं डीजल के दाम बढ़ा सकता है। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि एक अक्टूबर, 2022 से बिना मिलावट वाले ईंधनों पर दो रुपए प्रति लीटर की दर से अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। पेट्रोलियम उद्योग का कहना है कि सरकार का यह फैसला एक तरफ तो तेल कंपनियों को पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण के लिए प्रोत्साहित करेगा वहीं बायोडीजल की खरीद के लिए आठ महीनों में ढांचा खड़ा कर पाने की संभावना कम है। ऐसी स्थिति में पूर्वोत्तर राज्यों जैसे दूरदराज के क्षेत्रों में पेट्रोल एवं डीजल के दाम एक अक्टूबर, 2022 से बढ़ सकते हैं। इसकी वजह यह है कि वहां पर एथनॉल या बायोडीजल मिश्रण वाले ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाएगी। गौरतलब है कि डीजल की बिक्री तो देश के अधिकांश इलाकों में बिना किसी मिश्रण के ही होती है।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में पिछले 24 घंटों में 5.66 फीसदी गिरावट

मुंबई ।

बजट के एक दिन के बाद ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केटपिछले 24 घंटों में 5.66 फीसदी गिरकर 1.65 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है। जबकि जबकि ट्रेडिंग वॉल्यूम 29.45 फीसदी बढ़कर 82.63 बिलियन डॉलर हो गई है। डिसेंट्रीलाइज फाइनेंस 24 घंटे के क्रिप्टोक्यूरेंसी ट्रेडिंग वॉल्यूम का 14.47 फीसदी 11.96 बिलियन डॉलर में था, स्थिर स्टॉक 69.03 प्रतिशत 83.54 बिलियन डॉलर था। 2 फरवरी की सुबह बिटकॉइन का बाजार डॉमिननेंस 0.43 फीसदी बढ़कर 41.96 प्रतिशत हो गया और कीमत 38,584.91 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। भारत में बिटकॉइन 1.26 फीसदी बढ़कर 30,74,481 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इथेरियम 3.31 फीसदी बढ़कर 2,20,994.5 रुपए हो गया। कार्डानो 4.07 प्रतिशत बढ़कर 86.79 रुपए पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटों में पोलकाडॉट 4.63 प्रतिशत बढ़कर 1,597.27 रुपए और लिटकोइन 4.9 प्रतिशत बढ़कर 9,080.6 रुपए पर पहुंच गया। टीथर भी 0.52 प्रतिशत बढ़कर 79.9 रुपए पर पहुंच गया। टेरा 1.69 प्रतिशत बढ़कर 4,187.77 रुपए हो गया। भारत सरकार ने इस बात को स्वीकार किया कि देश की बड़ी संख्या का एक बड़ा वर्ग क्रिप्टो-संबंधित ट्रांजेक्शन में शामिल है, वित्त मंत्री निर्मला सीताराम ने मंगलवार को अपने बजट भाषण में क्रिप्टो टैक्सेशन की घोषणा कर दी है। सरकार ने वर्चुअल डिजिटल असेट्स की ऑनलाइन बिक्री और खरीद पर 30 फीसदी टैक्स लगाकर टैक्स स्कैनर के तहत लाने का फैसला किया है। एफएम ने यह भी निर्दिष्ट किया कि ऐसे क्रिप्टो लेनदेन पर अतिरिक्त एक प्रतिशत टीडीएस भी लगाया जाएगा जो एक निश्चित सीमा से अधिक है, जिससे विवरण का एक निशान स्थापित होता है। बाद की राशि या आभासी डिजिटल संपत्ति उपहार प्राप्तकर्ता के हाथ में कर योग्य होगा।

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने बीजिंग ओलंपिक खेल गांव का दौरा किया

बीजिंग। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने मंगलवार को बीजिंग ओलंपिक खेल गांव का दौरा किया और प्रतिभागियों, स्टाफ और मेजबानों से मुलाकात की। बाक ने ओलंपिक संघर्ष विराम दीवार पर भी हस्ताक्षर किए। शीतकालीन ओलंपिक 2022 में प्रतिस्पर्धा पेश करने की तैयारी कर रहे खिलाड़ियों को ओलंपिक खेल गांव में विशेष उद्घाटन समारोह के बाद ओलंपिक संघर्ष विराम दीवार पर हस्ताक्षर करने के लिए आमंत्रित किया गया था। दीवार को इस तरह डिजाइन किया गया है कि प्रतिभागी खिलाड़ी और अधिकारी इस पर हस्ताक्षर करके खेल के जरिए शांतिपूर्ण दुनिया बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दर्शाएं। इसे 'लाइट आफ पीस' (शांति की रोशनी) नाम दिया गया है जो चीन की पारंपरिक लालटेन से प्रेरित है जो रोशनी, शांति और पुनर्मिलन का प्रतीक है।

बेंगलुरू ओपन एटीपी चैलेंजर खिताब जीतना चाहते हैं प्रजनेश

बेंगलुरु।

प्रजनेश गुणेश्वरन बेंगलुरू ओपन एटीपी चैलेंजर खिताब हासिल करने के इच्छुक हैं, जिसे उन्होंने 2018 सीजन में जीता था। अब कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन क्वालिफायर के साथ रविवार से शुरू होने वाले दो बैक-टू-बैक एटीपी चैलेंजर इवेंट की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं।

प्रजनेश ने कहा, मेरे पास बेंगलुरु की बहुत अच्छी यादें हैं। मैंने केएसएलटीए में काफी लंबी अवधि तक अभ्यास किया और चैलेंजर्स में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा। मेरे पास यहां कई खिताब हैं और यह चेन्नई के अलावा भारत में मेरे लिए दूसरे घर जैसा है। मैं उस शहर में वापस आने की उम्मीद कर रहा हूं जो मेरे लिए बहुत परिचित है और जीतना निश्चित रूप से मेरी खुशी में इजाफा करेगा। वर्तमान में दुनिया में 228वें स्थान पर प्रजनेश जो कल बेंगलुरू ओपन के मुख्य ड्रॉ में शामिल हुए थे, उन्हें आने वाले हफ्तों के दौरान कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से टूर्नामेंट कठिन होने जा रहा है। मुझे यकीन है कि बहुत सारे अच्छे खिलाड़ी हैं और फिर दो टूर्नामेंट एक साथ होने हैं। इसलिए बहुत से उच्च रैंक वाले खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं, लेकिन गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों के साथ आयोजन करना अच्छा है। इसे देखना और इसका हिस्सा बनना हमेशा अच्छा होता है। प्रजनेश जिनके पास दो एटीपी चैलेंजर खिताब और नौ आईटीएफ खिताब हैं। लेकिन वह पिछले साल वह अच्छे फॉर्म में नहीं थे, जिसने कोविड-19 को दुनियाभर के खिलाड़ियों के अधिकांश प्रयासों पर रोक लगा दी।

डेविस कप : डेनमार्क के खिलाफ मुकाबले के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली :

भारत ने चार और पांच मार्च को डेनमार्क के खिलाफ होने वाले डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के विश्व ग्रुप एक मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। फरवरी 2019 के बाद से यह पहली बार होगा कि भारत घरेलू सरजमीं पर डेविस कप मुकाबला खेलेगा। अखिल भारतीय टेनिस संघ की प्रोफेशनल चयन समिति की वर्चुअल हुई बैठक में टीम का चयन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नंदन बल ने की। रोहित राजपाल टीम के कप्तान और जीशान अली टीम के कोच हैं। टीम 23 फरवरी को अभ्यास के लिए दिल्ली में एकत्र होगी। खिलाड़ियों की उपलब्धता और प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया गया है। भारत ने इससे पहले फिनलैंड (2021), क्रोएशिया (2020) और कजाकिस्तान (2019, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए) की यात्रा की थी। भारत ने फरवरी 2019 में अपनी सरजमीं पर इटली की मेजबानी की। कोलकाता में खेले गए इस मुकाबले में उसे 1-3 से हार मिली थी। भारत और डेनमार्क की टीमों ने डेविस कप में सिर्फ दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। 1927 में कोपनहेगन में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया तो वही सितंबर 1984 में भारत ने आरहूस में 3-2 से जीत दर्ज की थी।

टीम में शामिल खिलाड़ी :

रामकुमार रामनाथन, प्रजनेश गुणेश्वरन, युकी भांबरी, रोहन बोपन्ना, दिविज शरण, साकेत मिनेनी (रिज़र्व), दिग्विजय प्रताप सिंह (रिजर्व)

चीन को हराकर एफआईएच प्रो लीग में शीर्ष पर पहुंची भारतीय टीम

मस्कट ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में भी चीन को 2-1 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इससे पहले भारतीय टीम ने अपने पदार्पण मुकाबले में चीन को 7-1 से हराया था। भारतीय टीम के सामने चीन की टीम इस मैच में भी टिक नहीं पायी। पहले हाफ में अधिकतर समय गेंद भारतीय टीम के पास थी। वहीं चीन की रक्षापंक्ति का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं था। भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इसका फायदा टीम को तीसरे मिनट में ही मिला जब टीम को पेनल्टी कॉर्नर मिला। गुरजीत कौर ने इसे गोल में बदलकर भारत को की ओर से पहला गोल किया। बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने इसके बाद गोल के कई प्रयास किये पर उसके निशाने गोलपोस्ट पर नहीं पहुंच पाये। दूसरे हाफ में चीन ने आक्रमण किया। वैंग शुमिन ने एक गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। भारत को इसके बाद कई पेनल्टी कॉर्नर मिले पर टीम उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने अपने हमले ओर तेज कर दिये। इस दौरान भारतीय टीम को भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर दीप ग्रेस एक्का इसे गोल में नहीं बदल पायी। गुरजीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर एक बार फिर भारतीय टीम को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद अंत तक यह बढ़त कायम रही।

नीरज चोपड़ा प्रतिष्ठित लॉरेस विश्व खेल पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली।

तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा को प्रतिष्ठित लॉरेस विश्व खेल पुरस्कार में 'ब्रेकथ्रू पुरस्कार% के लिए नामांकित किया गया है जिसमें एम्मा राडूकानू और सिमोन बिलेस समेत छह खिलाड़ी दौड़ में है। ये पुरस्कार अप्रैल में एक वर्चुअल समारोह में दिए जाएंगे। इस साल पुरस्कारों के सात वर्गों के लिए नामांकन दुनिया भर के 1300 से अधिक प्रमुख खेल पत्रकारों और प्रसारकों ने चुने हैं। विजेता का चयन लॉरेस विश्व खेल अकादमी मतदान के द्वारा करेगी जिसमें 71 महान खिलाड़ी शामिल हैं। ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा का स्वर्ण जीतने वाले चोपड़ा निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे भारतीय हैं। बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पीला तमगा जीता था। तोक्यो में ओलंपिक खेलों में पदार्पण करने वाले 23 वर्ष के चोपड़ा ने 87.58 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। लॉरेस पुरस्कार के लिए नामांकन पाने वाले वह विनेश फोगाट (2019) और सचिन तेंदुलकर (2000-2020 खेल का सर्वश्रेष्ठ पल पुरस्कार) के बाद तीसरे भारतीय हैं। तेंदुलकर को 2011 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों द्वारा कंधे पर बिठाकर मैदान का चक्कर लगाए जाने के लिए यह पुरस्कार मिला था। तेंदुलकर ने जब 2011 में वह पुरस्कार जीता था तब चोपड़ा ने परिवार के दबाव में अपनी फिटनेस बेहतर करने के लिए जिम जाना शुरू ही किया था। वहीं से उनमें भालाफेंक के प्रति रूचि जागी और 2016 अंडर 20 विश्व चैम्पियनशिप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अपने कैरियर का आगाज किया। चोपड़ा ने कहा कि मैं इस पुरस्कार के लिए नामांकन पाकर बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि तोक्यो में मेरे पदक को दुनिया में पहचान मिली। भारत के एक छोटे से गांव से निकलकर फिटनेस के लिए खेलों से जुड़ने के बाद ओलंपिक पदक तक का सफर बहुत अच्छा रहा। अपने देश का प्रतिनिधित्व करके और पदक जीतकर अच्छा लग रहा है। इतने शानदार खिलाड़ियों के साथ लॉरेस पुरस्कार के लिये मुझे नामित किया जाना बहुत गर्व की बात है। चोपड़ा के साथ 'ब्रेकथ्रू पुरस्कार %के लिये ब्रिटेन की टेनिस स्टार एम्मा राडूकानू शामिल है जिन्होंने 18 वर्ष की उम्र में अमेरिकी ओपन खिताब जीता। वहीं अमेरिकी ओपन जीतने वाले रूस के दानिल मेदवेदेव, एफसी बार्सीलोना के फुटबॉलर पेड्री, त्रिकूद में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले यूलिमार रोजास और तोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराक एरियार्ने टिटमस को भी नामांकन मिला है।

संक्षिप्त समाचार

वह टेक्नीकल बहुत स्ट्रॉन्ग थे, मुझे उन्हें गेंदबाजी करने से नफरत थी : ब्रैट ली

खेल डैस्क । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के महानतम तेज गेंदबाज ब्रैट ली ने बीते दिनों लीजेंड क्रिकेट लीग में विश्व जायंट्स को जितवाने के लिए अहम भूमिका निभाई थी। इंडिया महाराजासा के खिलाफ अहम मैच में ब्रेट ली ने आखिरी ओवर में आठ रन बचाकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचा दिया था। इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के साथ बातचीत में ब्रैट ली ने बताया कि भारत के सचिन तेंदुलकर को गेंदबाजी करने से उन्हें नफरत थी। ली ने तेंदुलकर को अपने करियर में सबसे मुश्किल बल्लेबाज माना और साथ ही कहा कि वो उन्हें गेंदबाजी करना पसंद नहीं करते थे। ब्रैट ली ने अपने लंबी करियर में 14 बार सचिन तेंदुलकर को आऊट किया है, लेकिन इसके बावजूद वह उन्हें मजबूत बल्लेबाज मानते हैं। ली ने शोएब अख्तर के यू-ट्यूब चैनल पर कहा- मैं सचिन को गेंदबाजी करने से नफरत करता था, क्योंकि वह बहुत अच्छे थे। बेहतरीन तकनीक। मुझे हमेशा स्पिन का सामना करना मुश्किल लगता था, इसलिए मुरलीधरन जैसे किसी को गेंदबाज का सामना मैं नहीं करना चाहूंगा। उनका सामना करना मुश्किल था, मैं उनकी गेंदबाजी कभी नहीं समझ पाया। ब्रेट ली ने इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जैक कैलिस को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर माना। उन्होंने कहा कि इसमें कोई सवाल ही नहीं है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराऊंडर हैं। वहीं, भारत में खेलने पर ब्रेट ली ने कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं। उपमहाद्वीप में खेलना बहुत अच्छा रहा है, लेकिन मैंने अपना अधिकांश समय भारत में बिताया है क्योंकि जाहिर तौर पर वहां बहुत सारे अवसर हैं।

दक्षिण अफ्रीका को झटका, उभरते स्टार खिलाड़ी कीगन पीटरसन हुए कोरोना पॉजिटिव

जोहानिसबर्ग । भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की घरेलू टेस्ट श्रृंखला में जीत के नायक रहे कीगन पीटरसन बुधवार को कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गए जिससे टीम की उम्मीदों को झटका लगा है। टीम में इस बल्लेबाज की जगह जुबेर हम्जा लेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक बयान में कहा कि पीटरसन ठीक हैं और उन्हें कोई लक्षण नहीं हैं। बयान के अनुसार, 'क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की चिकित्सा टीम उनसे संपर्क में रहेगी ताकि उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल की जा सके।' टीम बुधवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होगी। भारत की मजबूत टीम के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 28 साल के पीटरसन ने छह पारियों में 46 के औसत से 276 रन बनाए थे। वह श्रृंखला में तीन अर्धशतक जड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे जिन्होंने 72, 82 और 62 रन बनाए थे तथा मैदान में अपने क्षेत्ररक्षण कौशल से प्रभावित किया था। दक्षिण अफ्रीका को न्यूजीलैंड में 17 फरवरी से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। वहीं स्टफ डॉट कॉम एनजेड की रिपोर्ट के अनुसार न्यूजीलैंड के कप्तान और इसके मुख्य बल्लेबाज केन विलियमसन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में नहीं खेलने की आशंका है क्योंकि वह अब तक कोहनी की चोट की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया में हैं।

रोहित ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले पोस्ट की तस्वीर

नई दिल्ली ।

भारतीय सीमित ओवरों की टीम के नये कप्तान रोहित शर्मा वेस्टइंडीज़ के खिलाफ छह फरवरी से शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज को लेकर उत्साहित हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रोहित इस सीरीज के साथ ही कप्तान के तौर पर अपनी पारी शुरु करेंगे। उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले ही एकदिवसीय और टी20 टीमों का कप्तान बनाया गया था पर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह उस सीरीज में नहीं खेल पाये थे। इस कारण तब लोकेश राहुल ने कप्तानी की थी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका में हुई उस एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में रोहित अब घरेलू धरती पर अपने क्रिकेट करियर के नए अध्याय की शुरुआत जीत से करना चाहेंगे। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ शुरू होने जा रही एकदिवसीय सीरीज़ से पहले रोहित शर्मा ने एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें उन्होंने कहा है कि शुरुआत करने के लिए अब इंतज़ार नहीं कर सकता। रोहित ने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह अपना टी-शर्ट का नंबर 45 दिखा रहे हैं।

रोहित के इस पोस्ट पर लाखों लोगों के लाइक आए हैं , इसपर आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस ने भी कमेंट किया है। मुंबई इंडियंस ने अपने कमेंट में लिखा है कि सुपर-हिट शो आने वाला है। रोहित ने इससे पहले टी-20 कप्तान के रूप में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज़ खेली थी। ऐसे में अब वेस्टइंडीज़ के खिलाफ होने जा रही इस एकदिवसीय और टी-20 सीरीज में उनकी नेतृत्व क्षमता की परीक्षा होगी। रोहित के सामने अभी दो बड़ी चुनौतियां हैं। इसी साल टी-20 विश्वकप भी होना है इसके अलावा अगले साल एकदिवसीय विश्वकप है। ऐसे में रोहित को अब टीम को आगे ले जाने के साथ ही टीम में पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ भी समन्वय बनाना होगा।

आईपीएल नीलामी में श्रीसंत शामिल

मुम्बई ।

तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी के लिए शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने नीलामी के लिए जिन 590 खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में भारत के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत भी शामिल है। ऐसे में अब श्रीसंत को भी कोई टीम खरीद पायेगी। मेगा नीलामी के लिए श्रीसंत ने अपना आधार मूल्या 50 लाख रुपए तय किया है। बीसीसीआई द्वारा जारी सूची में शामिल किये जाने से श्रीसंत बेहद उत्साहित हैं। श्रीसंत को उम्मीद है कि आईपीएल नीलामी में कोई ना कोई फ्रेंचाइजी उन्हें जरुर खरीदेगी। इस गेंदबाज ने नीलामी के लिए शामिल किये जाने पर खुशी जाहिर की है। श्रीसंत ने ट्वीट करते हुए लिखा कि आप सभी को मेरा प्यार। मैं सभी का शुक्रिया नहीं कर पाउंगा। पर सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार। मैं आप सभी का हमेशा आभारी रहूंगा। ऑक्शन के लिए अपनी दुआओं को मेरे साथ बनाएं रखना। ओम नमः शिवाय।38 साल के श्रीसंत ने आईपीएल के पिछले सत्र के लिए भी अपन नाम भेजा था पर तब किसी भी फ्रेंचाइजी ने उन्हें शामिल नहीं किया था। उन्होंने पहले पंजाब, राजस्थान और कोच्चि की ओर से खेला है पर स्पॉट फिक्सिंग मामले में उन्हें प्रतिबंधित भी किया गया था।

शीतकालीन ओलंपिक के लिए भारतीय दल का मैनेजर कोरोना पॉजिटिव

बीजिंग । भारत के शीतकालीन ओलंपिक दल के मैनजर मोहम्मद अब्बास वानी को बीजिंग हवाई अड्डे पहुंचने पर कोरोना जांच में पॉजिटिव पाया गया है। अब्बास वानी छह सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा है जिसमें एकमात्र खिलाड़ी कश्मीर के स्कीअर आरिफ खान है। आरिफ स्लालोम और जाइंट स्लालोम वर्ग में भाग लेंगे। भारत के दल प्रमुख हरजिंदर सिंह है और एल सी ठाकुर अल्पाइन कोच, पूरन चंद तकनीशियन और रूप चंद नेगी टीम अधिकारी है। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने बताया कि वानी पॉजिटिव पाए गए हैं और दल प्रमुख हरजिंदर आयोजकों से दोबारा जांच के लिये बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय दल के मैनेजर अब्बास वानी बीजिंग हवाई अड्डे पर कोरोना पॉजिटिव पाये गए। दल प्रमुख हरजिंदर सिंह दोबारा जांच का प्रयास कर रहे हैं। खिलाड़ी और उनके कोच को दूसरे फ्लैट में भेज दिया गया है।% बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक चार से 20 फरवरी तक होंगे।

श्रीजेश ने भविष्य की योजना को लेकर किया खुलासा

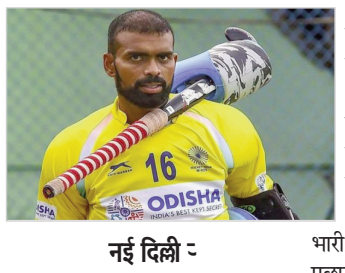

नई दिल्ली :

टोक्यो ओलंपिक पदक के बाद 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट आफ द ईयर% बने भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश का सपना ओलंपिक पदक का रंग बदलना और विश्व कप जीतना है और भविष्य में वह खुद को कोच की भूमिका में भी देखते हैं। महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल के बाद यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले श्रीजेश दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने भारी अंतर से अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ा। उन्होंने बेंगलुरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र से वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'भारतीय हॉकी ही नहीं बल्कि विश्व हॉकी के लिए यह पुरस्कार बहुत खास है। मुझे एक खिलाड़ी के तौर पर दुनिया भर में पहचान मिली है। हम दूसरे खेलों से प्रतिस्पर्धा कर रहे थे और हॉकी को भी पहचान मिली है। एफआईएच ने एक भारतीय खिलाड़ी को नामित किया जो बहुत बड़ी बात है।' दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय श्रीजेश ने कहा, 'भारतीय दर्शक मुझसे प्यार करते हैं और वोटिंग में कभी पीछे नहीं रहते। मेरा काम एक खिलाड़ी के तौर पर देश का नाम रोशन करना है। प्रशंसकों ने अपना प्यार मेरे और हॉकी के लिए वोट के जरिए दिखाया है। भारत से ही नहीं दुनिया भर से वोट मिले हैं।' भारतीय क्रिकेट की दीवार कहे जाने वाले राहुल द्रविड़ अब क्रिकेट टीम के कोच हैं और क्या भारतीय हॉकी की दीवार को भविष्य में कोच की भूमिका में देखेंगे, यह पूछने पर श्रीजेश ने कहा, 'यह कठिन सवाल है लेकिन मैं कोच बनना चाहता हूं। इस फैसले से पहले हालांकि मुझे अपने परिवार से बात करनी होगी। मैं लंबे समय से उनके साथ समय नहीं बिता सका हूं लेकिन आप मुझे उस जर्सी में जरूर देखेंगे।' 2006 में भारतीय सीनियर टीम के लिए पदार्पण करने वाले श्रीजेश 2020-21 में एफआईएच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुने गए जबकि पिछले साल उन्हें राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार भी मिला। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन नीली जर्सी पहनूंगा। पुरस्कार, नाम, पदक समय के साथ होता गया। मेरा फोकस प्रदर्शन और मेहनत पर रहा और मैंने गोलकीपिंग का स्तर बेहतर करने का प्रयास किया।' केरल के इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'जब मैंने खेलना शुरू किया था तब मैंने शंकर लक्ष्मण का बहुत नाम सुना था।

लैंगर को कोच रहना चाहिए या नहीं इस पर खिलाड़ियों की राय लेनी चाहिए -एसीए

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसीए) के प्रमुख टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि मुख्य कोच जस्टिन लैंगर के भविष्य के बारे में सीनियर खिलाड़ियों से सलाह लेने का उनका अधिकार है। लैंगर का अनुबंध इस साल के अंत में समाप्त होने वाला है और अटकलें तेज हैं कि क्या वह टी 20 विश्व कप और एशेज जीतने के बाद भी कोच के रूप में बने रहेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा कि मुझे पता है कि उन्होंने हमने कई खिलाड़ियों से बात की है जो कि अच्छा है। क्योंकि खिलाड़ियों का एक दृष्टिकोण होता है। लेकिन अंततः खिलाड़ी इन चीजों पर एकमात्र निर्णय नहीं ले सकते। वे कुछ प्रतिक्रिया देने में सक्षम हैं पर अंतिम फैसला क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का ही होगा। ग्रीनबर्ग ने कहा कि जस्टिन के बारे में आप जिस बात पर बहस नहीं कर सकते वह यह है कि वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज हैं। उन्होंने 100 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने पिछले चार वर्षों में कोच के रूप में बहुत अच्छा काम किया है और पिछले 12 महीनों में अविश्वसनीय रूप से मजबूत सफलता मिली है। उनके पास बहुत मजबूत रिज्यूमे है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर यह सवाल होगा कि वे आगे किस दिशा में जाना चाहते हैं। गौर हो कि सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने बताया कि लैंगर की क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों के साथ तीखी नोकझोंक हुई। जहां उन्हें मुख्य कोच पद के लिए फिर से आवेदन करने के लिए कहा गया था। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इन सभी खबरों का खंडन किया। लैंगर को 2018 में सैंडपेपर विवाद के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच के रूप में नियुक्त किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

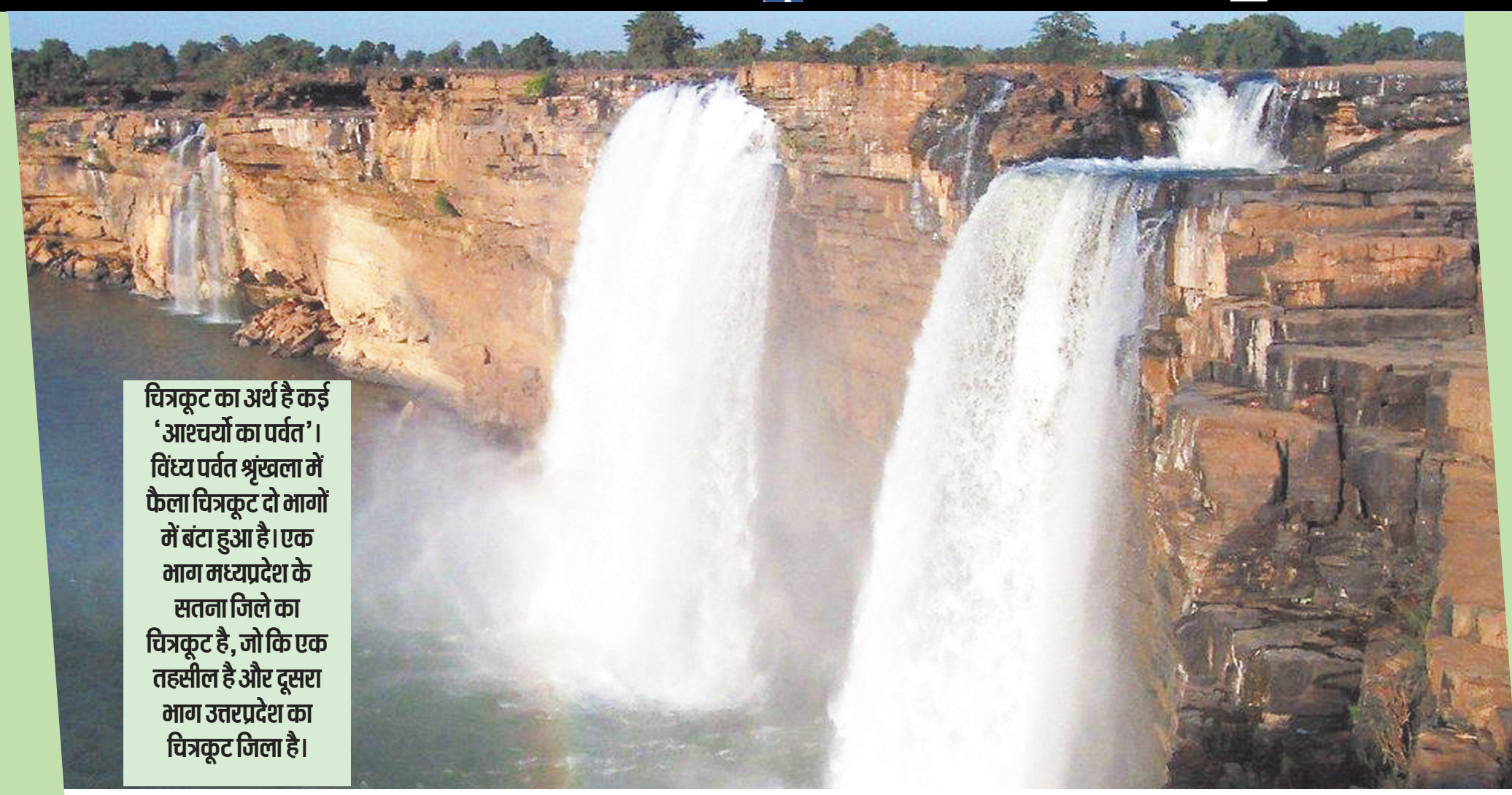

चित्रकूट का अर्थ है कई 'आश्चर्यो का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है, जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है।

एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था।

श्रीरामजी की भूमि चित्रकूट

भारत में कई ऐसे स्थान हैं, जो कि ऐतिहासिक होने के साथ ही साथ धार्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे ही स्थानों में से एक चित्रकूट है, भगवान श्रीराम का वनवास स्थल। चित्रकूट का अर्थ है 'कई आष्चर्यो का पर्वत'। विंध्य पर्वत श्रृंखला में फैला चित्रकूट दो भागों में बंटा हुआ है। एक भाग मध्यप्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट है जो कि एक तहसील है और दूसरा भाग उत्तरप्रदेश का चित्रकूट जिला है। महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अपने चौदह वर्ष के वनवास में से साढ़े ग्यारह वर्ष का समय यहां पर व्यतीत किया था। इसी कारण से चित्रकूट पर्यटन स्थल होने के साथ ही साथ एक आध्यामिक महत्व भी रखता है, एक ऐसा स्थान जहां के कण-कण में श्रीराम बसते हैं। इसके साथ ही चित्रकूट कई महान ऋषियों की कर्मभूमि भी रही है, जैसे, अत्रि, सती अनुसूया, दत्तात्रेय, मार्कण्डेय, सरभंग, सुतीक्ष्ण। इसके साथ ही चित्रकूट रामचरितमानस के रचियता संत तुलसीदास की जन्मभूमि भी रही है, जिनका जन्म चित्रकूट के राजापुर नामक गांव में हुआ था। संत तुलसीदास द्वारा लिखित रामचरितमानस आज भी उनके वंशजों के पास यहां सुरक्षित रखी है।

क्या देखें

वैसे तो पूरा चित्रकूट ही घूमने लायक हैं, लेकिन अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो किस भी हालत में इन स्थानों पर जाना न भूलें।

रामघाट

अगर आप चित्रकूट जा रहे हैं, तो रामघाट में स्नान करना न भूलें, जिसके लिये यह माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान चित्रकूट आने पर इसी स्थान पर श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया था। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि चित्रकूट के इसी घाट पर बैठकर संत तुलसीदास ने भगवान राम से चंदन लगवाया था, और फिर हनुमान ने उनका परिचय देते हुए कहा था कि :

चित्रकूट के घाट में भई संतन की भीर।
तुलसीदास चंदन घिसै तिलक देत रघुवीर।।

रामघाट के पास कुछ अन्य महत्वपूर्ण स्थान भी हैं, जैसे कि, राघव प्रयाग घाट, मतगजेंद्रेष्वर स्वामी, पाम कुटी और यज्ञ वेदी।

कामदगिरि

कामदगिरि चित्रकूट का मुख्य दर्शनीय स्थल है। कामदगिरि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है 'सभी इच्छाओं से परिपूर्ण पर्वत'। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान राम, सीता और लक्ष्मण इसी पर्वत पर रहते थें। कामदगिरि और चित्रकूट के भगवान कामतानाथ का मंदिर भी यहीं स्थित है, जहां से कामदगिरि की 5 किलोमीटर लंबी परिक्रमा आरंभ होती है। परिक्रमा के इस पथ का निर्माण सन् 1725 में बुंदेल के महाराज छत्रसाल की पत्नी रानी प्रताप कुंवारी द्वारा करवाया गया था। परिक्रमा पथ के दौरान कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं, जैसे, भारत मिलाप जहां पर भरत की मुलाकात राम, सीता और लक्ष्मण से हुई थी।

मठगजेंद्रेश्वर स्वामी : यह मंदिर रामघाट पर स्थित है। पुराणों के अनुसार इस स्थान पर सतयुग में भगवान ब्रह्मा ने तपस्या की थी और फिर शिवलिंग की स्थापना की थी। यहां पर मंदिर की स्थापना पन्ना के महाराज अमन सिंह के द्वारा की गई थी।

जानकी कुंड

जानकी का अर्थ है राजा जनक की पुत्री अर्थात् सीता। ऐसा माना जाता है कि वनवास के दौरान सीता जी इस कुंड का प्रयोग स्नानागार के रूप में करती थी। जानकी कुंड के आसपास कई चैरिटेबल संस्थाएं स्थित है, जैसे कि जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय, ब्लाइंड स्कूल आदि।

अत्रि-अनुसूया आश्रम

यह आश्रम रामघाट से 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। ऐसा माना जाता है कि सती अनुसूया ऋषि अत्रि के साथ यहीं रहती थी और इसी आश्रम में उन्होंने त्रिदेवों को बालकों के रूप में परिवर्तित कर दिया था। इसी आश्रम के पास परमहंस आश्रम भी स्थित है।

हनुमान धारा

हनुमान धारा रामघाट से पूर्व की ओर 4 किमी की दूरी पर विंध्य के आरंभ पर स्थित एक अत्यंत रमणीय स्थल है। ऐसा माना जाता है कि लंका दहन करने के कारण अयोध्या लौटने तक हनुमान जी के शरीर में जलन हो रही थी। भगवान राम को अपनी यह समस्या बताने पर उन्होंने उन्हें चित्रकूट के इस पर्वत पर जाने के लिये कहा और यह भी कहा कि यहां पर उनपर ठंडे जल की एक धारा प्रवाहित होगी, जिस कारण से उनकी जलन समाप्त हो जाएगी। आज भी हनुमान जी की मूर्ति पर यह धारा प्रवाहित होती है और उसके बाद कहां अदृष्य हो जाती है, यह पूर्णत : रहस्य है।

गुप्त गोदावरी : चित्रकूट के दक्षिण-पष्चिम में करीब 18 कि.मी. की दूरी पर एक पहाड़ पर स्थित यह स्थान अत्यंत रमणीय ओर रहस्यमय है। गुप्त गोदावरी का आष्चर्य यहां पर स्थित दो गुफाएं हैं।

रामशय्या

सीतापुर से चलने पर भरत कूप से पहले एक और दिव्य स्थल है, जिसे रामशय्या कहते हैं। इस स्थान को परिक्रमा मार्ग से भी देखा जा सकता है। यह एक चट्टान है, जिसके लिये यह माना जाता है कि वनवास के दौरान राम और सीता इस चट्टान पर आराम करते थे।

एक बड़ी सी शिला पर दो चिन्ह भी बने हुए हैं, जिनका निर्माण राम और सीता के लेटने के कारण हुआ था। इनके अतिरिक्त भी चित्रकूट और इसके आसपास के क्षेत्र में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे कि, राघव-प्रयाग घाट, यज्ञ वेदी, स्फटिक शिला, मयूरध्वज आश्रम, लक्ष्मण चौकी, वाल्मीकि आश्रम, भरत कूप, लक्ष्मण पहाड़ी, सुतीक्ष्ण आश्रम, गणेश बाग, कालिंजर दुर्ग आदि।

कैसे पहुंचे

सड़क द्वारा : मध्यप्रदेश से चित्रकूटके लिये रीवा, सतना, पन्ना, मैहर, सागर, छतरपुर आदि स्थानों से और उत्तरप्रदेष से मिर्शापुर, इलाहाबाद, बांदा, कानपुर, लखनऊ, महोबा, अतरा, नरैनी, झांसी से निरंतर बस सेवाएं उपलब्ध रहती है।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेषन चित्रकूट धाम कर्वी है, शो कि मानिकपुर-झांसी रेलवे लाइन में स्थित है।

वायुयान द्वारा : चित्रकूट के लिये निकटतम एयरपोर्ट खजुराहो है, जो कि चित्रकूट से 175 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

आइस स्कीइंग के लिए मशहूर

खूबसूरत औली

बद्रीनाथ धाम के निकट नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के पास स्थित है गढ़वाल का मशहूर औली क्षेत्र। यहां पर घने जंगलों के साथ ही खूबसूरत पहाड़ तथा मखमली घासों से ढंके हुए मैदान फैले हुए हैं। देश का सबसे नया आइसस्कीइंग केंद्र भी यहीं पर मौजूद है। यहां पर आप बर्फ पर फिसलने का भरपूर आनंद उठा सकते हैं। बर्फ की चादरों से ढंकी यहां की खूबसूरत ढलानें एशिया की खूबसूरत ढलानों में भी गिनी जाती हैं। यहां से आप नंदा देवी, हाथी गौरी पर्वत, ऐरावत पर्वत तथा नीलकंठ पर्वत का नजारा भी बखूबी देख सकते हैं।

सबसे पहले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने इसे आइसस्कीइंग खेल मैदान के रूप में तलाशा था फिर गढ़वाल मंडल विकास निगम ने स्कीइंग को बढ़ावा देने की मंशा से यहां स्कीइंग केंद्र की स्थापना की। यहां पर रोपवे भी है जोकि औली के आकर्षण में अनूठा साबित हुआ है। रोपवे की रोमांचक यात्रा सैलानियों को आनंदविभोर कर देती है। जब पर्यटक इसमें बैठकर जंगल, खेत और गांवों के ऊपर से गुजरते हैं, तो उनका मन झूम उठता है। दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आप सबसे पहले गुरसौं बुग्याल देखने जा सकते हैं। ओक और कोनिफर के जंगलों से घिरा हुआ और खूबसूरती से भरापूरा यह मैदान सैंकड़ों मीलों तक फैला हुआ है। औली से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित गुरसौं बुग्याल में गर्मियों के मौसम में असंख्य फूल भी खिलते हैं।

आप क्वांरी बुग्याल भी घूमने जा सकते हैं। यह एक मनोरम स्थल है। यहां पर दूर-दूर तक फैली हुई खूबसूरत ढलानें देखते ही बनती हैं। इन ढलानों पर ट्रैकिंग का आनंद भी लिया जा सकता है। जोशीमठ भी औली के सर्वश्रेष्ठ दर्शनीय स्थलों में शुमार है। औली से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित जोशीमठ में आप मठों, स्मारकों के दर्शन कर सकते हैं। यहां पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा पौराणिक महत्व के कई सारे मठ व मंदिर मौजूद हैं साथ ही आप यहां पर्वतारोहण भी कर सकते हैं। इस स्थान की सबसे खास बात यह है कि इसे बदरीनाथ और फूलों की घाटी का प्रवेशद्वार भी माना जाता है।

सेलधार तपोवन को देखने का अपना अलग ही मजा है। क्योंकि यहां पर गरम पानी के अनेक सोते हैं, जिन्हें देखते ही बनता है। यहां पर आप अधिक उबलते गरम पानी के फव्वारे और सोते को देख कर दंग रह जाएंगे। इसी प्रकार चिनाब झील भी देखी जा सकती है। यह झील प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर जगह जोशीमठ के पास स्थित है। लेकिन कठिन चढ़ाई होने के कारण अभी इस स्थल का पर्याप्त विकास नहीं हो सका है।

वंशीनारायण कल्पेश्वर भी देखने योग्य जगह है, खासकर गर्मियों में। क्योंकि गर्मियों में यह पूरी घाटी फूलों से ढंकी हुई नजर आती है। इस मनोरम दृश्य को देखकर सभी पर्यटक आकर्षित हुए बिना नहीं रहते। यदि आप औली की यात्रा करने का मन बना चुके हैं तो आपको बता दें कि यहां तक आपको सीधी रेल सेवा नहीं मिल पाएगी। यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश है। आप ऋषिकेश स्टेशन से औली के लिए बस ले सकते हैं। ऋषिकेश से औली लगभग 253 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

चाहें तो ऋषिकेश से जोशीमठ तक के लिए बसों तथा टैक्सियों व जीपों का भी प्रयोग कर सकते हैं और जोशीमठ से औली तक की यात्रा रोपवे से भी तय कर सकते हैं। जहां तक बात यहां पर ठहरने की है, तो आपको बता दें कि औली में आपको गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा बनवाए गए हट्स और फाइबर हट्स में रहने की सुविधा आराम से मिल सकती है।

सार समाचार

पाकिस्तान में बढ़ रहा है हिंदुओं पर अत्याचार, सिंध प्रांत में हिंदू व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

पाकिस्तान से लगातार हिंदुओं में अत्याचार और उनकी हत्या की वारदातें बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक महिने में तीसरी हत्या की वारदात इस समय सुर्खियों में हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने हिंदू व्यवसायी की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सिंध के घोटकी जिले के डहारकी टाउन में सोमवार रात हुई। मृतक की पहचान शैतान लाल के रूप में हुई है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार की यह ताजा घटना है। 4 जनवरी को सिंध प्रांत के अनाज मंडी में एक अन्य हिंदू व्यवसायी सुनील कुमार की अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। समाचार एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, व्यवसायी की हत्या के कारण शहर में तालाबंदी हो गई थी। 30 जनवरी को, पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी पेशावर शहर में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक ईसाई पुजारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी और एक अन्य को घायल कर दिया था।

इक्वाडोर की राजधानी में बारिश के बाद भूस्खलन में कम से कम 24 लोगों की मौत

क्वीटो (इक्वाडोर)। इक्वाडोर की राजधानी में भारी बारिश को बाद एक पहाड़ी के ढह जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। क्वीटो सुरक्षा विभाग ने बताया कि कम से कम 48 और लोग घायल हो गए। करीब 24 घंटे हुई बारिश के कारण मंगलवार देर रात पहाड़ी के ढहने के बाद बहकर आए कीचड़ में आठ मकान गिर गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। प्राधिकारियों ने 12 लोगों के लापता होने की भी जानकारी दी है। प्रत्यक्षदर्शी इमेल्दा पाचोको ने बताया कि उसे लगा कि उसका घर ऐसे हिल रहा है, जैसे भूकंप आया हो और फिर अचानक दरवाजों एवं खिड़कियों के जरिए कीचड़ भरा पानी आना शुरू हो गया। पाचोको ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' से कहा, 'मैं अपने चार वर्षीय बच्चे का हाथ पकड़कर मुश्किल से सीढ़ियों की ओर भागी और छत पर चढ़ गई। अचानक दीवारें गिरने लगीं। हमने पहली मंजिल पर पड़ोसियों के लिए चिल्लाना शुरू किया, लेकिन पानी उसमें रह रही एक मां और बेटी को बहा कर ले गया।' उसने कहा, ह्यह्यमुझे लगा था कि मैं अपने बेटे के साथ मरने वाली हूं, हम बमुश्किल ही बच पाए।

ओमीक्रोन संक्रमण के 10 हफ्ते में नौ करोड़ से ज्यादा मामले सामने आए: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचो) के महानिदेशक ने मंगलवार को कहा कि 10 सप्ताह पहले कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप सामने आने के बाद से अब तक संक्रमण के नौ करोड़ से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं, जो कि वर्ष 2020 में सामने आए कुल मामलों से ज्यादा है। गौरतलब है कि वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी की शुरूआत हुई थी। डब्ल्यूएचो के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेबरेसस ने आगाह किया कि हालांकि ओमीक्रोन, वायरस के अन्य स्वरूपों जितना घातक नहीं है फिर भी इससे बचकर रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर के ज्यादातर क्षेत्रों से मौतों की संख्या में वृद्धि की बेहद डराने वाली खबरें आ रही हैं।

सऊदी अरब करेगा अपने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज में बदलाव

दुबई। सऊदी अरब अपने राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज में बदलाव करने की योजना बना रहा है। सऊदी अरब की सरकारी मीडिया के मुताबिक सोमवार को राज्य की गैर-निर्वाचित सलाहकार शूरा परिषद ने राष्ट्रगान और ध्वज में बदलाव के पक्ष में मतदान किया है। हालांकि, परिषद के फैसलों का मौजूदा कानूनों या संरचनाओं पर कोई असर नहीं पड़ता है। लेकिन, इसका फैसला इसलिए महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसके सदस्य सऊदी अरब के शाह (किंग) द्वारा नियुक्त किए जाते हैं और उनके फैसले अक्सर देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ तालमेल के साथ चलते हैं। शूरा परिषद ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। गौरतलब है कि सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में देश में कई क्षेत्रों में नये बदलाव और सुधार किए जा रहे हैं। उन्हें इसके लिए अपने पिता शाह सलमान का पूरा समर्थन मिल रहा है। शहजादाएक राष्ट्रीय-सांस्कृतिक पहचान के साथ इस्लाम को प्रतिस्थापित करते हुए सऊदी अरब की पहचान को फिर से परिभाषित करने का प्रयास कर रहे हैं, जो पूरी तरह से धर्म द्वारा परिभाषित नहीं है।

मूल स्वरूप से ज्यादा तेजी से फैलता है ओमीक्रोन का उपस्वरूप : शोध

लंदन। सार्स-कोव-2 के ओमीक्रोन स्वरूप का एक उपस्वरूप इसके मूल स्वरूप (वेरिएंट) से कहीं अधिक संक्रामक है। नए शोध में दावा किया गया है। शोधकताओं ने 8541 घरों में 17945 लोगों के बीच ओमीक्रोन के मूल स्वरूप (बीए.1) और उपस्वरूप (बीए.2) के प्रसार का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि बीए-2 वेरिएंट 39 फीसदी की मारक क्षमता के साथ लोगों को अपनी चपेट में लेता है,जबकि बीए.1 के मामले में आंकड़ा 29 प्रतिशत है। बीए.2 के कम समय में ज्यादा लोगों को संक्रमित करने की मुख्य वजह भी यही मानी जा रही है। शोधकताओं ने देखा कि पूर्ण टीकाकरण करा चुके या बूस्टर खुराक हासिल कर चुके लोगों के मुकाबले वैक्सीन न लगवाने वाले लोगों के बीए.1 और बीए.2 से संक्रमित होने की आशंका काफी अधिक रहती है। हालांकि, अध्ययन की समीक्षा की जानी अभी बाकी है। इससे पता चला है कि बीए.2 से संक्रमित उन मरीजों के अन्य लोगों में वायरस का वाहक बनने का खतरा ज्यादा है, जिन्हें कोविड रोधी टीके की एक भी खुराक हासिल नहीं हुई है।

5 साल तक के बच्चों की कोरोना वैक्सीन के लिए फाइजर और बायोएनटेक ने किया आवेदन

वाशिंगटन। अमेरिकी नियामकों ने दवा निमार्ता कंपनियों फाइजर और बायोएनटेक से छह महीने से पांच साल तक के बच्चों के लिए उनकी कोविड-19 वैक्सीन की दो डोज के आपातकालीन उपयोग के लिए आवेदन करने को कहा है। जबकि तीन डोज वाले टीके पर आंकड़े का इंतजार किया जा रहा है। इस कदम का मकसद जल्द से जल्द फरवरी के अंत तक उनके लिए वैक्सीन का रास्ता साफ करना है। फाइजर और बायोएनटेक ने अपने बयान में कहा यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की ओर से किए गए आग्रह के बाद कंपनियों ने 6 महीने से लेकर 5 साल तक के बच्चों के लिए बनी फाइजर-बायोएनटेक कोरोना वैक्सीन के आपात प्रयोग के लिए आवेदन किया गया है। अगर इस वैक्सीन को मंजूरी मिलती है तो यह पांच साल तक के बच?चों को दी जाने वाली दुनिया की पहली वैक्सीन बन जाएगी। फाइजर के चेयरमैन और सीईओ अल्बर्ट बूर्ला ने कहा है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों का जैसे ही अस्पतालों में भर्ती होना बढ़ रहा है, वैसे ही हमारा लक्ष्य भविष्य के कोरोना वेरिएंट को लेकर तैयार रहने और पैरेंट्स को कोरोना वायरस से बच्चों को बचाने के विकल्प मुहैया कराना है।

न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गयूटरस नई कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसल के शपथ ग्रहण के दौरान उपस्थित थे।

गिनी बिसाऊ के राष्ट्रपति ने कहा- देश में फिर से हो गई शांति स्थापित

बिसाऊ । गिनी बिसाऊ में बुधवार को तख्तापलट की स्पष्ट कोशिश के तहत सरकारी भवन के आस-पास भारी गोलीबारी की गई, बहरहाल राष्ट्रपति उमारो सिसोको एम्बालो ने बाद में कहा कि पश्चिम अफ्रीकी देश में शांति फिर से स्थापित हो गई है। एम्बालो ने अपने फेसबुक पेज पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह चमड़े की एक कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनके पीछे गिनी बिसाऊ का झंडा है। हमले पर सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि गतिरोध किस प्रकार समाप्त हुआ। इससे पहले बुधवार को सरकारी प्रसारणकर्ता ने जानकारी दी थी कि हमलावर भवन में अधिकारियों को हिरासत में ले रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि काफी देर तक, भारी गोलीबारी हुई। 15 सदस्यों वाले पश्चिम अफ्रीका देशों के आर्थिक समुदाय (ईसीओडब्ल्यूएएस) ने मंगलवार की हिंसा को तख्तापलट की कोशिश बताया और कहा कि वह गहरी चिंता के साथ बिसाऊ में स्थिति पर नजर रख रहा है। ईसीओडब्ल्यूएएस और पुर्तगाल ने तख्तापलट की इस कोशिश की निंदा की है। सेना के एक पूर्व जनरल एम्बालो को दिसंबर 2019 के चुनाव में विजेता घोषित किया गया था। हालांकि, चुनाव परिणाम का उनके प्रतिद्वंद्वी डोमिंगोस सिमोएस परेरा ने विरोध किया था। एम्बालो ने तब सेना के समर्थन से नई सरकार का गठन किया था, जबकि चुनाव परिणाम को दी गई चुनौती का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। 1974 में पुर्तगाल से आजादी के बाद से गिनी बिसाऊ में चार बार तख्तापलट हुआ है और एक दर्जन से अधिक बार इसकी कोशिश की गई है।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण पर सुरक्षा परिषद से बैठक करने का अनुरोध किया

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

अमेरिका ने ग्वाम क्षेत्र तक पहुंचने में सक्षम मध्यम दूरी की एक बैलिस्टिक मिसाइल के उत्तर कोरिया द्वारा हाल मेंकिए गए परीक्षण को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से बृहस्पतिवार को बैठक करने का अनुरोध किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार देर रात पुष्टि की कि संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन ने बृहपस्तिवार को बंद कमरे में परिषद की बैठक करने का अनुरोध किया है। रविवार के परीक्षण के बाद व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वह ताजा मिसाइल परीक्षण को पिछले कई महीनों से चल रहे उकसावे वाले कृत्यों को बढ़ाने के तौर पर देखते हैं। संयुक्त राष्ट्र के उपप्रवक्ता फरहान हक ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने रविवार को हुए प्रक्षेपण की निंदा की और इन्हें सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन बताया। गुतारेस ने उत्तर कोरिया से इस प्रकार से कदम नहीं उठाने की अपील की। उत्तर कोरिया ने रविवार को मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासोंग-12 का परीक्षण किया, जो अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक मार करने में सक्षम है। हाल के वर्षों में यह उत्तर कोरिया का सबसे शक्तिशाली मिसाइल परीक्षण है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के हाल में हथियारों का परीक्षण तेज करने का मतलब है कि वह प्रतिबंधों में ढील चाहता है या वैध परमाणु संपन्न देश के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मान्यता चाहता है। दक्षिण कोरिया और जापान के आकलन के अनुसार, मिसाइल अधिकतम 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 800 किलोमीटर की दूरी तय की। इन जानकारियों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। ह्वासोंग-12 जमीन से जमीन तक मार करने में सक्षम परमाणु संपन्न मिसाइल है। यह अधिकतम 4,500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए यह दूरी पर्याप्त है। उत्तर कोरिया ने इस महीने में यह सातवां परीक्षण किया है। एक के बाद एक परीक्षण लंबे समय से बाधित परमाणु वार्ता को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का संकेत देता है।

रूस के साथ संभावित जंग में छापामार रणनीति अपनाने की तैयारी में यूक्रेनी लोग

खारकीव (यूक्रेन)।(एजेंसी)

यूक्रेन पर रूस का आक्रमण होने की सूरत में लोग हर हाल में देश की रक्षा करने और छापामार युद्ध करने की योजना बना रहे हैं। यूक्रेन की सीमा पर जहां रूस के हजारों सैनिक इकट्ठा हैं, वहां से केवल 40 किलोमीटर दूर है खारकीव शहर। यह यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर और औद्योगिक केन्द्र है, यहां हालात तनावपूर्ण हैं। खारकीव शहर के लोगों की राय बंटी हुई है, कुछ यूक्रेन के पक्ष में हैं तो कुछ रूस के पक्ष में। इनमें से कुछ रूस से डट कर मुकाबला करने तो कुछ अपना जीवन शांति से बिताने की बात कहते हैं।

दस लाख से अधिक की आबादी वाले इस शहर के कुछ लोगों का कहना है कि अगर रूस आक्रमण करता है तो वे आम नागरिक का जीवन त्याग कर रूसी सैनिकों के खिलाफ छापामार युद्ध करेंगे। उनका मानना है कि देश के बहुत से नागरिक यही करेंगे। किशोरों को टेबल टेनिस सिखाने वाली कोच विक्टोरिया बालेसिना कहती हैं,ह्यह्य इस शहर की रक्षा होनी चाहिए। हमें कुछ करने की जरूरत है,न कि डरने की और घुटने टेकने की।'

जानकारों और अमेरिकी खुफिया अधिकारियों का कहना है कि दंत चिकित्सकों, कोच, गृहणियों का ऐसे शहर में छापामार युद्ध करना जहां जमीन के नीचे छिपने के लिए हजारों आश्रय स्थल हैं, रूसी सैन्य योजनकारों के लिए बुरा अनुभव साबित हो सकता है।

न्यूजीलैंड ने फंसी गर्भवती पत्रकार को दी 'घर वापसी' की अनुमति

काबुल (एजेंसी)

न्यूजीलैंड की गर्भवती पत्रकार जो अपने देश की कोरोना बॉर्डर पॉलिसी के कारण अफगानिस्तान में फंसी थी, अब अपने घर लौटने को तैयार है। महिला पत्रकार ने कहा कि वह उसकी सरकार की ओर से आखिरकार उस वापसी का रास्ता देने के बाद वह अपने घर लौट सकेगी।इसके पहले न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने कहा था कि शार्लट बेलिस को देश के क्वारंटीन होटल में एक स्पॉट के लिए फिर से आवेदन करने की आवश्यकता है। न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री ग्रांट रॉबर्टसन ने कहा कि बेलिस को एक कमरे के लिए वाउचर की पेशकश की गई है। गर्भवती पत्रकार बेलिस ने कहा, 'मैं अपनी बच्ची को जन्म देने के लिए मार्च की शुरूआत में अपने देश न्यूजीलैंड लौटूंगी। हम घर लौटने और इस खास समय में अपने दोस्तों और परिवार के साथ होने के लिए बेहद उत्साहित हैं।' बेलिस का मामला एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन गया है,इसकारण न्यूजीलैंड सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

न्यूजीलैंड के हजारों नागरिक विदेशों में फंसे हैं, और अपने देश लौटने के लिए क्वारंटीन होटलों के खुलने का इंतजार कर रहे हैं।बेलिस ने कहा कि वह न्यूजीलैंडवासियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह सरकार को सीमा नियंत्रण का कोई उपाय ढूंढ़ने के लिए चुनौती देना जारी रखेंगी। उन्होंने बताया कि वह हर दिन एक लड़ाई लड़ रही थीं। 25 हफ्तों की गर्भवती पत्रकार ने न्यूजीलैंड लौटने के लिए लॉटरी सिस्टम से लेकर आपातकालीन वापसी के लिए आवेदन जैसे तरीके अपनाए लेकिन सरकार ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। न्यूजीलैंड के क्वारंटीन सिस्टम के प्रमुख क्रिस बनी ने कहा कि बेलिस को एक नया प्रस्ताव दिया गया क्योंकि अफगानिस्तान बेहद खतरनाक है,और आतंकवाद का खतरा है। वह पर लोगों की मदद करने की सीमित क्षमता उपलब्ध है,खासकर अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद वहां हालात बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि हमें इसकी खुशी है, कि बेलिस ने खुद को सुरक्षित रखा और उस जगह पर स्थायी रूप से रहने पर विचार नहीं किया।बनी ने कहा कि हमारा इरादा बेलिस की सुरक्षा थी।

अमेरिकी संगठन ने बजट को बताया संतुलित और व्यावहारिक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दी बधाई

वाशिंगटन। (एजेंसी)

भारत केंद्रित अमेरिकी कारोबार हिमायती समूह ने वित्तीय घाटे पर नजर रखते हुए विकास को बढ़ावा देने वाला बजट पेश करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी और इसे 'संतुलित तथा व्यावहारिक बजट' बताया। 'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम' (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष मुकेश आघी ने मंगलवार को कहा, 'पहला सिद्धांत है कि कोई नुकसान न पहुंचे और सरकार ने इसका पालन किया - नीति में बड़े बदलाव नहीं किए गए जो मौजूदा परिस्थितियों में अच्छा है। मैं इसे नपा तुला और व्यावहारिक बजट कहता हूं।

राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए सरकार पर और अधिक देने का काफी दबाव था।' आघी ने एक बयान में कहा कि बजट में अप्रत्यक्ष रूप से यह भी माना गया है कि कोरोना वायरस और महंगाई ने अभी तक पीछा नहीं छोड़ा है। वहीं, 'यूएसए इंडिया चेम्बर ऑफ कॉमर्स' (यूएसएआईसी) ने कहा कि वित्त मंत्री सीतारमण एक बार फिर प्रभावशाली और दूरदर्शी बजट लेकर आयी हैं जो कोविड-19 की तीसरी लहर के बीच 'संतुलित, आर्थिक रूप से विवेकपूर्ण और वृद्धि उन्मुख' है। यूएसएआईसी के अध्यक्ष करुण ऋषि ने हालांकि कहा कि यह चिंता का विषय है कि बजट में राजस्व बढ़ाने के ठोस उपायों का अभाव है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने बजट में नवोन्मेषी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए 'बैटरी की अदला-बदली' की नयी नीति से भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने में एक व्यावहारिक विकल्प मिल सकता है। मोटर वाहन उद्योग के विशेषज्ञ आर्थर व्हीटन ने कहा कि भारत सरकार को 'बैटरी की अदला-बदली' नीति लागू करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे, क्योंकि प्रमुख कार कंपनियां बैटरी प्रौद्योगिकी साझा नहीं करती हैं। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अपने बजट भाषण में इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग स्टेशनों पर बैटरियां बदलने की सुविधा देने के बारे में एक नीति लाने का प्रस्ताव रखा। सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर बैटरियां बदलने (स्वैपिंग) की सुविधा देने की तैयारी है। इसके लिए एक समुचित नीति लाई जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिकी दबाव में नहीं झुका भारत

भारत ने यूक्रेन सीमा पर होने वाली बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रक्रियागत मतदान में भाग नहीं लिया

मास्को (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन की स्थिति पर बैठक से पहले चीन के प्रक्रियागत मतदान के खिलाफ मत देने और इसमें भारत, केन्या एवं गैबॉन के अनुपस्थित रहने पर रूस ने मतदान से पहले अमेरिकी दबाव के बावजूद डटे रहने पर चारों देशों को शुक्रिया अदा किया। भारत ने यूक्रेन सीमा पर तनावपूर्ण हालात को लेकर चर्चा के लिए होने वाली बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रक्रियागत मतदान में भाग नहीं लिया था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के प्रथम उप स्थायी प्रतिनिधि दमित्रि पोलिंस्की ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस-ग्रीनफील्ड के एक ट्वीट के जवाब में ट्विटर पर लिखा कि जैसा हमने उम्मीद की थी, यह एक जनसंपर्क हथकंडे के अलावा और कुछ नहीं था। यह मेगाफोन डिप्लोमेसी का उदाहरण है। कोई सच्चाई नहीं, केवल आरोप और निराधार दावे। पोलिंस्की ने कहा कि यह अमेरिकी कूटनीति का सबसे खराब स्तर है। अपने चार सहयोगियों चीन, भारत, गैबॉन और केन्या का धन्यवाद, जो मतदान से पहले अमेरिकी दबाव के बावजूद डटे रहे। ग्रीनफील्ड ने कहा कि रूस की आक्रामकता केवल यूक्रेन और यूरोप के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए भी खतरा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर इसे जिम्मेदार बनाने का दायित्व है। यदि पूर्व साम्राज्यों को बल से अपने क्षेत्र फिर से हासिल करना शुरू करने का लाइसेंस मिल जाए, तो दुनिया के लिए इसका क्या अर्थ होगा? यह हमें एक खतरनाक मार्ग पर ले जाएगा। उन्होंने ककि कि हम स्वयं पर संकट आने से रोकने के लिए यूएनएससी में इस मामले को लेकर आए। यह रूस की सद्भावना की परीक्षा होगी कि क्या वह वार्ता की मेज पर बैठेगा और तब तक बना रहेगा, जब तक हम किसी सहमति पर नहीं पहुंच जाते? अगर वह ऐसा करने से इनकार करता है, तो दुनिया को पता चल जाएगा कि इसके लिए कौन और क्यों जिम्मेदार है।

बैठक से पहले परिषद के स्थायी और वीटो-अधिकार प्राप्त सदस्य रूस ने यह निर्धारित करने के लिए एक प्रक्रियागत वोट का आह्वान किया था कि क्या खुली बैठक आगे बढ़नी चाहिए। अमेरिका के अनुरोध पर हुई बैठक के लिए परिषद को नौ मतों की आवश्यकता थी। रूस और चीन ने बैठक के खिलाफ मतदान किया, जबकि भारत, गैबॉन और केन्या ने भाग नहीं लिया। फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन सहित परिषद के 10 अन्य सदस्यों ने बैठक के चलने के पक्ष में मतदान किया। बैठक में भारत ने रेखांकित किया कि शांत और रचनात्मक कूटनीति 'समय की आवश्यकता' है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के व्यापक हित में सभी पक्षों द्वारा तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचना चाहिए। यूक्रेन की सीमाओं के पास हजारों रूसी सैनिकों के एकत्र होने के बीच यूक्रेन संकट पर चर्चा करने के लिए 15 सदस्यीय परिषद ने बैठक की थी। मास्को की कार्रवाई ने यूक्रेन पर आक्रमण की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। रूस ने इस बात से इनकार किया कि वह हमले की योजना बना रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने परिषद में कहा कि नई दिल्ली यूक्रेन से संबंधित घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत का हित एक ऐसा समाधान खोजने में है जो सभी देशों के वैध सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए तनाव को तत्काल कम कर सके और इसका उद्देश्य क्षेत्र तथा उसके बाहर दीर्घकालिक शांति और स्थिरता हासिल करना हो। तिरुमूर्ति ने कहा कि यूक्रेन के सीमावर्ती इलाकों समेत उस देश के विभिन्न हिस्से में 20,000 से अधिक भारतीय छात्र और नागरिक पढ़ते एवं रहते है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

सार समाचार

पत्नी आजीवन संपत्ति की पूर्ण रूप से मालकिन नहीं हो सकती, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया आदेश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायलय ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई हिंदू पुरुष, जो खुद से अर्जित की गई संपत्ति का मालिक है, यदि वह वसीयत में अपनी पत्नी को सीमित हिस्सेदारी देता है तो इसे संपत्ति पर पूर्ण अधिकार नहीं माना जाएगा, बशर्ते वह अपनी पत्नी की देखभाल और अन्य शर्तें पूरी करता हो। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने 1968 की एक वसीयत के एक मामले में यह आदेश पारित किया। पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश को दरकिनार करते हुए यह फैसला सुनाया। हरियाणा के एक व्यक्ति तुलसी राम ने 15 अप्रैल 1968 को उक्त वसीयत लिखी थी, जिसका 17 नवंबर 1969 को निधन हो गया था।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की कुल राशि का 58 फीसदी किया गया प्रचार पर खर्च

नई दिल्ली । राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरकार ने बुधवार को कहा कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत 2014-15 से 2020-21 तक कुल 683 ।05 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं जिनमें 401.04 करोड़ रुपये यानी 58 प्रतिशत राशि प्रचार पर खर्च की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना का मकसद घटते बाल लिंग अनुपात (सीएसआर) तथा पूरे जीवन चक्र में लड़कियों और महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है। स्मृति ईरानी ने कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2020-21 तक 683 .05 करोड़ रुपये के कुल व्यय में से मीडिया एडवोकेसी कैंपेन (प्रचार अभियान) पर 401.04 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है जो कुल व्यय का 58 प्रतिशत है। ईरानी ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी, जन्म के समय लिंग के चयन पर रोक और बालिकाओं की शिक्षा और विकास में मदद के लिए, सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से बेटियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी स्तरों पर इस योजना के तहत लगातार प्रयास किए जाते हैं। राज्यों के मंत्रियों और अधिकारियों, आकांक्षी जिलों तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराध की सबसे अधिक दर वाले 100 जिलों के साथ मंत्रीस्तरीय समीक्षा बैठकों का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि शुरुआती दौर में, जागरुकता फैलाने पर बल देने के लिए और बेटियों को महत्व देने की दिशा में समाज की सोच में परिवर्तन लाने के लिए मीडिया और 'एडवोकेसी' पर जोर दिया गया है। पिछले दो वर्षों में, केंद्रीय स्तर पर 'मीडिया एडवोकेसी' अभियान पर खर्च में काफी गिरावट आई है और अब स्वभाव परिवर्तन संपर्क पर जोर दिया जा रहा है।

रेल दुर्घटनाएं रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाली 'कवच तकनीक यात्रियों की सुरक्षा में होगा इजाफा

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के सामने वित्त वर्ष 2022-2023 का बजट पेश किया। इस बजट के दौरान वित्त मंत्री ने रेलवे बजट 2022 भी पेश किया। उन्होंने रेलवे से जुड़ी कई तरह की योजना की घोषणा की। वित्त मंत्री ऐलान किया कि देश में अगले तीन सालों के अंदर 400 नई वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएंगीं। इसके साथ ही भारतीय रेलवे के लिए 100 गतिशक्ति कार्गो से जुड़े भी प्लान को वित्त मंत्री ने पेश किया। इसके साथ ही इस बजट में सरकार ने रेलवे पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने बताया कि पिछले 7 सालों में रेलवे में 24000 किलोमीटर रेलवे रूट का किया गया है। आगे भी इस काम को जारी रखा जाएगा। इन सभी घोषणाओं के साथ वित्त मंत्री ने एक तकनीक की बात की जिसे कवच तकनीक का नाम दिया गया है। इस तकनीक के जरिए रेलवे यात्रा को ज्यादा बनाने का प्लान है। अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि 'कवच तकनीक' के जरिए रेल यात्रा को ज्यादा सुरक्षित बनाने का प्लान है। यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है। यह एक एंटी-कोलिजन डिवाइस है, जिसकी मदद से रेलवे में होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाने में मदद करेगा। इसके साथ ही रेलवे का यह प्लान है कि वह भविष्य में होने वाली रेल घटनाओं को पूरी तरह से रोक सकें। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'कवच तकनीक' के जरिए करीब 2 हजार किलोमीटर का रेल नेटवर्क को सुरक्षित बनाने की रेलवे की तैयारी है। हालांकि इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल रेलवे पहले भी करता आया है।

कोरोना की मार के बीच स्वास्थ्य से खिलवाड़ वाराणसी से 4 करोड़ रुपये की नकली कोविशील्ड-टेस्टिंग किट जब्त

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर नकली कोविड शील्ड और जायकोविड के साथ नकली कोविड टेस्टिंग किट जब्त की है। इसकी कीमत 4 करोड़ रुपये बतायी जा रही है। एसटीएफ ने इनपुट के आधार पर कार्रवाई करते हुए लंका थाना क्षेत्र के रोहित नगर से 5 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि, पकड़े गए आरोपियों की पहचान राकेश थवानी, संदीप शर्मा, लक्ष्य जावा, शमशेर और अरुणेश विश्वकर्मा के रूप में हुई है। इनमें से तीन लोग वाराणसी के ही रहने वाले हैं, जबकि लक्ष्य जावा और शमशेर क्रमशः नई दिल्ली और बलिया में रहते हैं। पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो राकेश थवानी ने बताया कि वह संदीप शर्मा, अरुणेश विश्वकर्मा व शमशेर के साथ मिलकर नकली वैक्सीन व टेस्टिंग किट बनाता था और लक्ष्य जावा को सप्लाई करता था। वो अपने नेटवर्क के द्वारा अलग-अलग राज्यों में सप्लाई करता था। अभियुक्तगण से पूछताछ कर उनके गिरोह के बारे में जानकारी एकत्र करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामद दवाओं की बाजार मूल्य के अनुसार अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये है।

वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने की योजना नियमित की

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने की प्रायोगिक योजना को नियमित योजना में बदलने का फैसला हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह फैसला भारत की नारी शक्ति की क्षमता और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने ट्विटर पर कहा, रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना में महिला लड़ाकू पायलटों को शामिल करने के लिए प्रायोगिक योजना को स्थायी योजना में बदलने का फैसला किया है।सुप्रीम कोर्ट द्वारा तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करने के कुछ महीने बाद यह फैसला आया है। भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी ने 2018 में अकेले लड़ाकू विमान उड़ाकर पहली भारतीय महिला बनने का गौरव हासिल किया था। उन्होंने अपनी पहली एकल उड़ान में मिग-21 बाइसन उड़ाया था।

कोविड के बाद नयी विश्व व्यवस्था की संभावना, भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर विस्तार जारी : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसे पूरी दुनिया बदल गई थी, उसी प्रकार कोरोना महामारी के बाद भी दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है और एक नयी विश्व व्यवस्था तैयार होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से वर्ष 2022-23 के आम बजट पर आयोजित कार्यक्रम 'आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कोरोना का यह कालखंड पूरी दुनिया के लिए एक प्रकार से क्रांतिकारी परिवर्तन है।

उन्होंने कहा, 'आगे जो दुनिया हम देखने वाले हैं, वह वैसी नहीं होगी जैसी कोरोना काल से पहले थी। जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पूरी दुनिया बदल गई, वैसे ही कोरोना के बाद दुनिया में बहुत सारे बदलाव की संभावना है। एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की संभावना है।' वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले सात वर्षों में सरकार ने जो निर्णय लिए और जो नीतियां बनाईं तथा पहले की जिन नीतियों में सुधार किए, उसकी वजह से आज भारत की अर्थव्यवस्था का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा, 'सात-आठ साल पहले भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए था। आज भारत की अर्थव्यवस्था 2 लाख 30 हजार करोड़ के आसपास की है।'

उन्होंने कहा कि यह समय भारत के लिए नए सिरे से तैयारी का, नए अवसरों का और नए संकल्पों की सिद्धि का है। उन्होंने कहा, 'बहुत जरूरी है कि भारत आत्मनिर्भर बने और उस आत्मनिर्भर भारत की नींव पर एक आधुनिक भारत का निर्माण हो।' बजट घोषणा के विभिन्न प्रावधानों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से आज देश में करीब-करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है और इसमें से करीब 5 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन, जल जीवन मिशन के तहत पिछले 2 वर्ष में दिए गए हैं। उन्होंने कहा, 'अब बजट में घोषणा की गई है कि इस साल करीब 4 करोड़ ग्रामीण घरों को पाइप से पानी का कनेक्शन दिया जाएगा। इस पर 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब गरीब को मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं तो वह अपनी ऊर्जा को, अपने विकास, देश के विकास में लगाता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यइस बजट का भी फोकस गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं को बुनियादी सुविधाएं देने और आय के स्थाई समाधानों से जोड़ने पर है। प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा नदी जोड़ योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस बार के बजट में इसके लिए हजारों करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर भी बदलने वाली है। उन्होंने कहा, 'अब बुंदेलखंड के खेतों में और हरियाली आएगी, घरों में पर्याप्त पीने का पानी आएगा, कृषि के लिए खेतों में पानी आएगा।'

ममता बनर्जी एक बार फिर निर्विरोध तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को एक बार फिर निर्विरोध तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने पांच साल के अंतराल के बाद अपने संगठनात्मक चुनाव कराए थे। पार्टी के महासचिव पार्थ चटर्जी के अनुसार, बनर्जी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया, क्योंकि किसी अन्य नेता ने अपनी उम्मीदवारी पेश नहीं की थी। संगठनात्मक चुनाव के निर्वाचन अधिकारी चटर्जी ने कहा, 'ममता बनर्जी के पक्ष में कुल 48 प्रस्तावकों और समर्थकों ने नामांकन दाखिल किया। चूंकि अध्यक्ष पद के लिए अन्य किसी ने नामांकन नहीं भरा था, ममता बनर्जी को फिर से निर्विरोध चुन लिया गया है।' ममता बनर्जी ने 1998 में कांग्रेस से अलग होने के बाद पार्टी की स्थापना की थी और तब से वह इसका नेतृत्व कर रही हैं। वर्ष 2001 और 2006 के विधानसभा चुनाव में दो असफल प्रयासों के बाद, पार्टी 2011 वाम मोर्चे को मात देकर सत्ता में आई। पार्टी, राज्य विधानसभा की 294 सीटों में से 213 सीटें हासिल करने के बाद पिछले साल मई में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई थी।

अमित शाह को फ्री बिजली मिले तो तकलीफ नहीं, जनता को मिलने पर क्यों लगती है मिर्ची: केजरीवाल

पणजी। (एजेंसी)

गोवा में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा गमार्ता जा रहा है। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी उम्मीदवारों से शपथ पत्र पर साइन कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी के टिकट से नेता चुनाव लड़ते है और फिर जीतने के बाद पार्टी बदल लेते हैं। ये मतदाताओं के साथ धोखा है। इसलिए हम आज एक शपथ पत्र साइन कर रहे हैं जिसमें ये कहा गया है कि हम जीतने के बाद किसी दूसरी पार्टी में नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस शपथ पत्र की कॉपी जनता तक भी पहुंचाई जाएगी। इसमें ये भी लिखा होगा कि अगर जीतने के बाद हम अपनी पार्टी बदलें और काम न करें तो आप हम पर एफआईआर कर सकते हैं। आम आदमी पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री पद के दावेदार अमित पालेकर ने पार्टी के सभी उम्मीदवारों के साथ शपथ पत्र पर साइन किए।

अमित शाह को क्यों लग रही मिर्ची ?

इसी बीच केजरीवाल ने अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी ने कहा था कि यह लोग आते हैं और फ्री-फ्री करते हैं। ऐसे में मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्हें दिल्ली वाले घर के लिए सरकार से कितने यूनिट बिजली फ्री मिलती है ? अमित शाह को बिजली फ्री मिले तो तकलीफ नहीं है और जनता को मिले तो उन्हें मिर्ची लगती है। केजरीवाल ने पूछा कि यह पैसा किसका है। जनता का पैसा है। जनता के पैसे से अमित शाह को फ्री बिजली मिलनी चाहिए लेकिन जनता के पैसे से जनता को फ्री बिजली नहीं मिलनी चाहिए। यह कैसा लॉजिक है। उन्होंने कहा कि गोवा के भीतर अगर ईमानदार सरकार चाहिए तो आम आदमी पार्टी ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि गोवा के भीतर आज दो ही विकल्प हैं- आम आदमी पार्टी और भाजपा। अगर आप आम आदमी पार्टी को वोट नहीं करोगे तो दूसरी पार्टी वाला भाजपा में ही जाएगा और हमने यह देखा है। इस बार भाजपा ने बड़ा शातिर तरीका अपनाया है। उन्होंने अपने बहुत से उम्मीदवारों को कांग्रेस में शामिल करा दिया और वह कांग्रेस की टिकट पर लड़ रहे हैं ताकि उन्हें कैथोलिक वोट मिल जाए और जो भी जीतेगा वह भाजपा में शामिल हो जाएगा।

पंजाब कांग्रेस में फिर घमासान शुरू कैप्टन के इस्तीफे के बाद 42 विधायकों का मिला था समर्थन: सुनील जाखड़

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पंजाब में कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं, पहले नवजोत सिंह सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर सिंह का चैप्टर। फिर सिद्धू की नाराजगी को दूर करना और अब पार्टी के एक और बड़े नेता ने बगावती सुर छेड़ दिए हैं। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने दावा कर दिया है कि 42 विधायक उनके पाले में हैं और कैप्टन के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। पंजाब के अबोहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सुनील जाखड़ ने अपने मन की ये बात सामने रखी। जिसमें उन्होंने दावा किया कि, जब कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाया गया था तो 42 ऐसे विधायक थे, जिन्होंने जाखड़ को समर्थन दिया था। वहीं महज दो विधायकों ने चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम पद के लिए अपना समर्थन दिया। सिर्फ इतना ही नहीं, सुनील जाखड़ ने ये भी बताया कि उन्हें राहुल गांधी की तरफ से डिप्टी सीएम का पद ऑफर किया गया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। जाखड़ ने बताया कि 16 विधायक सुखजिंदर सिंह रंधावा के पक्ष में थे, 12 विधायक चाहते थे कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी प्रणीत कौर उप मुख्यमंत्री बनें, वहीं नवजोत सिंह सिद्धू को डिप्टी सीएम बनाने के समर्थन में सिर्फ 6 विधायक थे। बता दें कि कांग्रेस की तरफ से अब तक साफ नहीं किया गया है कि, पंजाब में जीत के बाद किसे वो मुख्यमंत्री बनाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने रोड शो, पदयात्रा, वाहन रैलियों पर प्रतिबंध 11 फरवरी तक बढ़ाया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पांच चुनावी राज्यों में रोड शो, पदयात्रा, वाहन रैलियों और जुलूसों पर लगा प्रतिबंध 11 फरवरी तक बढ़ा दिया, लेकिन सभी चरणों के लिए घर-घर जाकर प्रचार करने वालों की संख्या तथा जनसभाओं से संबंधित नियम में ढील प्रादन कर दी। दी गई छूट के तहत घर-घर जाकर प्रचार करने वाले लोगों की संख्या 10 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है और जनसभाओं में अब अधिकतम 1,000 लोग शामिल हो सकते हैं। आयोग ने इनडोर बैठकों में शामिल होने वालों की अधिकतम संख्या भी वर्तमान 300 से बढ़ाकर 500 कर दी। इसने कहा कि एक वर्चुअल समीक्षा बैठक के दौरान सभी राज्यों के मुख्य सचिवों ने आयोग को कोविड-19 की की स्थिति के बारे में सूचित किया, जिसके मामलों में अब कमी आ गई है। उन्होंने यह भी कहा कि संक्रमण दर कम हो रही है और अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, हालांकि, राज्य के अधिकारियों ने कहा कि कोविड प्रोटोकॉल सावधानियों को जारी रखने की जरूरत है, ताकि राजनीतिक गतिविधियों के कारण संक्रमण के मामलों में कोई वृद्धि न हो। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव से भी संबंधित स्थिति की जानकारी ली गई। आयोग ने कहा कि चुनावी राज्यों-गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति की व्यापक समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया कि 11 फरवरी, 2022 तक किसी भी रोड शो, पदयात्रा, और साइकिल/बाइक/वाहन रैलियों तथा जुलूस की अनुमति नहीं दी जाएगी। बयान में कहा गया कि आयोग ने चुनाव के सभी चरणों के लिए एक फरवरी, 2022 से निर्दिष्ट खुले स्थानों पर राजनीतिक दलों या चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की जनसभाओं में मौजूदा संख्या 500 की जगह अधिकतम 1,000 या मैदान की क्षमता का 50 प्रतिशत, या एसडीएमए द्वारा निर्धारित सीमा के अनुसार, इनमें से जो भी कम हो, लोगों के शामिल होने की अनुमति देने का भी निर्णय लिया है। आयोग ने घर-घर जाकर प्रचार अभियान के लिए भी सुरक्षाकर्मियों के अतिरिक्त 10 लोगों की जगह अब 20 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी है।

जलवायु परिवर्तन का संकट देश की सीमाओं से परे है: केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

चंडीगढ़। (एजेंसी)

गुरुग्राम में स्थित सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान में आज वर्ल्ड वेटलैंड डे मनाया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का संकट देश की सीमाओं से परे है। हम स्वीडन, इग्लैंड और फ्रांस के साथ मिलकर पर्यावरण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम से कम 75 झीलों को रामसर साइट में शामिल कराएँगे। औद्योगिक नगरी गुरुग्राम के आसपास के इलाके को भी हरा भरा बनाया जाएगा। इस इलाके के लिए जब भी मैंने मुख्यमंत्री से कुछ कहा उस काम को उन्होंने हमेशा पूरा किया।

सुल्तानपुर राष्ट्रीय पार्क में वर्ल्ड वेटलैंड डे पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि सुल्तानपुर और भिंडावास लेक के आसपास के इलाके को होम स्टे पॉलिसी के तहत विकसित किया जाएगा। हमने पौंड अथारिटी बनाकर 1900 तालाबों को इसी साल ठीक करने का बीड़ा उठाया। प्रदेश के सभी 6000 ओवरफ्लो तालाबों को साफ करेंगे।

वर्तमान में भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या 47 है। दो और आर्द्रभूमि अर्थात्- खिजड़िया वन्यजीव अभयारण्य (गुजरात) और बखिरा वन्यजीव अभयारण्य (यूपी) को उस दिन रामसर स्थलों की सूची में शामिल किया जाएगा। इससे भारत में रामसर आर्द्रभूमि की संख्या 49 हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान गुरुग्राम-झज्जर राजमार्ग पर सुल्तानपुर गांव में स्थित है। यह गुरुग्राम से 15 किलोमीटर और दिल्ली से 50 किलोमीटर दूर है। यह 350 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। सुल्तानपुर के एविफौना-समृद्ध पयार्वास की खोज पीटर जैक्सन ने की थी, जिन्होंने मार्च 1970 में अपने एक वन्यजीव विशेषज्ञ मित्र के साथ पार्क का दौरा किया था।

सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान को 2 अप्रैल, 1971 को वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया था। 5 जुलाई, 1991 को इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा प्राप्त हुआ था। हर साल लगभग 50,000 प्रवासी पक्षी दुनिया के विभिन्न हिस्सों मुख्य रूप से यूरेशिया से खाने और सर्दियों का समय व्यतीत करने सुल्तानपुर आते हैं।सर्दियों में सुल्तानपुर में प्रवासी पक्षियों जैसे सारस क्रेन, डेमोइसेल क्रेन, उत्तरी पिंटेल, उत्तरी फावड़ा, रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड, वेडर, ग्रे लैग गूज, गडवाल, यूरेशियन विजन, ब्लैक-टेल्ड गॉडविट आदि की चहचाहट एक सुरम्य चित्रमाला प्रदान करने का काम करती है। यह पार्क कोबरा, मॉनिटर लिजर्ड, हेजहोग, भारतीय खरगोश, येलो मॉनिटर लिजर्ड, सेही, सियार, नीला बैल का भी आवास है।

हनीट्रैप के जाल में फंसने वाले थे राजस्थान के बड़े मंत्री, मॉडल को लगानी पड़ी दांव पर जान, तब जाकर खुला पूरा राज

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान के जोधपुर में शनिवार रात एक महिला ने कथित तौर पर एक होटल की छत से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। महिला की पहचान गुनगुन उपाध्याय के नाम से हुई जो एक फैशन मॉडल है और जोधपुर शहर की रहने वाली है। शनिवार को वह उदयपुर से जोधपुर लौटी थी। उसी रात उसने जोधपुर के रतनाडा इलाके में होटल लॉर्ड्स इन की छठी मंजिल से कथित तौर पर छलांग लगा दी। छत से कूदने से पहले, गुनगुन ने कथित तौर पर अपने पिता को फोन किया और कहा कि वह आत्महत्या करने जा रही है। गुनगुन ने अपने पिता से कहा कि वह उसका चेहरा आखिरी बार देख ले। गुनगुन ने आत्महत्या का प्रयास क्यों किया था अब इसका खुलासा पूरे 3 तीन बाद पुलिस ने किया है। यह मामला केवल एक सुसाइड का मामला नहीं बल्कि एक नेता को फंसाने के लिए रचा गया हनीट्रेप का मामला है। पुलिस ने गुनगुन आत्महत्या मामले में लड़की के होश में आने के बाद बयान दर्ज किया है।

एक दंपति ने मॉडल को मंत्री को फंसाने के लिए किया था ब्लैकमेल

राजस्थान के जोधपुर में मंगलवार को एक दंपति को एक मॉडल गुनगुन को खुदकुशी की कोशिश करने के लिए कथित रूप से मजबूर करने को लेकर गिरफ्तार किया गया। दंपति ने मॉडल को भीलवाड़ा के एक मंत्री को फंसाने (हनीट्रैप) के लिए मॉडल को ब्लैकमेल करने वाली कथित धमकी दी थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उदयपुर से अक्षत और दिपाली को गिरफ्तार किया गया है, उससे पहले रविवार को जोधपुर में कथित तौर पर छत से कूदकर जान देने की कोशिश कर चुकी मॉडल ने होश आने पर पुलिस को बयान दिया था।

भीलवाड़ा के नेता को हनीट्रेप में फंसाने की साजिश

जोधपुर के पुलिस उपायुक्त (पूर्व) भुवन भूषण यादव ने कहा, 'हमने अक्षत एवं दिपाली को लड़की को ब्लैकमेल करने को लेकर गिरफ्तार किया है। वे दोनों लड़की पर भीलवाड़ा के एक मंत्री को (मोहपाश में) फंसाने का दबाव डाल रहे थे।' उन्होंने बताया कि उन दोनों का व्यापारियों समेत दूसरे लोगों को हनीट्रैप में फंसवा कर उन्हें ब्लैकमेल करने का इतिहास रहा है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि दंपति ने लड़की (मॉडल) का नहाते हुए एक वीडियो शूट कर रखा था और उसी के आधार पर वे दोनों उसपर मंत्री को फंसाने (हनीट्रैप करने) का दबाव डाल रहे थे।

मॉडल बनाने का लालच देकर हनीट्रेप के चक्कर में फंसाया

मॉडल मॉडलिंग कार्य के सिलसिले में इस दंपति के संपर्क में आयी थी। पुलिस के अनुसार दोनों उसे मॉडलिंग के नाम पर पिछले सप्ताह भीलवाड़ा ले गये थे और उन्होंने उसे मंत्री के साथ सोने को कहा, लेकिन लड़की ने ऐसा करने से मना कर दिया और रविवार को जोधपुर चली गयी। रास्ते में मॉडल ने अपने पिता एवं भाई को इस घटना के बारे में

बताया एवं उन्हें कहा कि वह खुदकुशी करने जा रही है। पुलिस के मुताबिक लड़की के पिता ने उसे फोन पर घर लौट आने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन वह जोधपुर पहुंचकर होटल की छत से कूद गयी। नीचे वह कार पर गिरी लेकिन बच गयी।

अफगानिस्तान पर भारत-रूस का रुख समान: रूसी अधिकारी

नई दिल्ली। रूस के विदेश मामलों के उपमंत्री राजदूत सर्जेई वासिलयेविक वर्शिनिन ने मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान में हालात को लेकर भारत और रूस का रुख कई मामलों में समान है। उन्होंने कहा कि काबुल में मौजूदा सरकार को मान्यता देने के बारे में अभी बात करना अपरिपक्वता होगी।

वर्शिनिन ने यह भी कहा कि अफगान के लोगों को मानवीय मदद भेजी जानी चाहिए और मास्को तथा नयी दिल्ली की ओर से मदद मुहैया कराई भी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में दोनों देशों के बीच संबंधों को लेकर आयोजित बैठक में भाग लेने के लिए वर्शिनिन भारत में थे।

वर्शिनिन ने कहा, 'अफगानिस्तान में हालात को लेकर भारत और रूस का रुख कई मामलों में समान और अभिन्न है।'उन्होंने उम्मीद जताई कि अफगान नेतृत्व अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरेगा खासकर सरकार के समावेशी रवैये और मानवाधिकार के संबंध में। वर्शिनिन के बयान को रूसी दूतावास के अधिकारियों ने जारी किया है। वर्शिनिन ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान की मौजूदा हालत अमेरिकी फौज और उनके सहयोगियों की वहां 20 साल तक रही उपस्थिति के कारण है। अमेरिकी फौजों की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर पिछले साल अगस्त में कब्जा कर लिया था। यूक्रेन की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'यूक्रेन के घटनाक्रम और पश्चिमी देशों, नाटो तथा अमेरिका द्वारा फैलाए गए तनाव के बारे में अपने दृष्टिकोण से हमने भारतीय पक्ष को सूचित कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई